RNI No. : TNHIN/2013/52520 ■ वर्ष - 14 ■ अंक - 1 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » बुधवार » 22-07-2026 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

4 संवेदनशील मामलों की हो त्वरित जांच : भजनलाल शर्मा

6 तिरंगे की शान, भारत की पहचान

7 सफर ही सबसे बड़ा शिक्षक रहा : यामी गौतम

अवकाश की सूचना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत के स्थापना दिवस के अवसर पर बुधवार 22 जुलाई को हमारे कार्यालय में अवकाश रहेगा। दक्षिण भारत राष्ट्रमत बेंगलूरु संस्करण 22वें और चेन्नई संस्करण 14वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। अगला अंक 24 जुलाई 2026 को प्रकाशित होगा।

- व्यवस्थापक

सोना	चांदी
14,854 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	231,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

क्या-क्या बाँटोगे

प्रतिबंधित एयरस्पेस हुए,
अवरोध बने सीमाओं पे।
नदियों का जल भी बाँट लिया,
झगड़ा वृक्षों की छाँहों पे।
सागर के पानी पर लकीर,
भूगर्भ युद्ध के दावों पे।
बादल खुशबू अरदास करे,
अंकुश ना लगे हवाओं पे।।

प्रधानमंत्री आवास के निकट कांग्रेस का धरना

राहुल-प्रियंका समेत कई नेता हिरासत में लिए गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा और कई अन्य कांग्रेस नेताओं ने छात्रों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई के विरोध में मंगलवार को प्रधानमंत्री आवास के निकट धरना दिया और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इस्तीफे की मांग की। बाद में पुलिस ने राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, सपा प्रमुख अखिलेश यादव और कई अन्य नेताओं को हिरासत में लिया और उन्हें बस में बैठाकर ले जाया गया। बस में बैठाने के दौरान प्रियंका गांधी ने प्रतिरोध भी किया। सपा प्रमुख अखिलेश यादव भी इस धरना में शामिल हुए थे।

कांग्रेस नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इस्तीफे की मांग करते हुए '7 लोक कल्याण मार्ग' के निकट धरना दिया और 'प्रधानमंत्री इस्तीफा दो', 'गुंडागर्दी नहीं चलेगी' तथा 'छात्रों को न्याय दो' जैसे नारे लगाए। धरना शुरू होने के कुछ देर बाद पुलिस ने राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और कई अन्य नेताओं को हिरासत में ले लिया। इससे पहले लोकसभा सदस्य चरणजीत सिंह चन्नी, सुखजिंदर सिंह रंधावा, शशिकांत सेंथिल और अन्य नेताओं को भी हिरासत में लिया गया। धरने के दौरान कांग्रेस नेताओं ने हाथों में हथकड़ियां पहनकर छात्रों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई का सांकेतिक विरोध किया।

इससे पहले, प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह और गृह सचिव गोविंद मोहन मौके पर पहुंचे तथा राहुल गांधी से धरना समाप्त करने का आग्रह किया। राहुल गांधी ने छात्रों को न्याय दिलाने के इच्छुक लोगों से धरने में शामिल होने की अपील की थी। उन्होंने कहा कि छात्रों पर हमला हर भारतीय परिवार पर हमला है और सरकार को इस मामले में जवाबदेही लेनी चाहिए। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री के इस्तीफे की मांग करते हुए कहा कि सरकार न तो घटना की जवाबदेही लेना चाहती है और न ही संसद में इस पर चर्चा की अनुमति दे रही है।

युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ नहीं होने देंगे : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि नीट प्रश्नपत्र लीक मामले में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई है ताकि कोई भी युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ न कर सके। साथ ही उन्होंने कहा कि भविष्य में ऐसी घटनाओं पर रोक लगाने के लिए सभी राज्य सरकारों को दलगत राजनीति से ऊपर उठकर केंद्र के साथ मिलकर काम करना चाहिए। मोदी ने यहां राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) संसदीय दल की बैठक में यह बात कही। यह बैठक नीट परीक्षा में कथित अनियमितताओं के विरोध में सोमवार को कॉकरोच जनता पार्टी' (कॉजपा) के नेतृत्व में हजारों छात्रों के चलो संसद' मार्च और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग के एक दिन बाद हुई।

मंगलवार को आयोजित इस बैठक का नाम 'मंगल मिलन' रखा गया था। बैठक के बाद केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने संवाददाताओं को बताया कि प्रधानमंत्री ने सांसदों से कहा कि प्रश्नपत्र लीक की खबर सामने आते ही सरकार ने तत्काल कार्रवाई की और 13 लोगों को गिरफ्तार किया गया। रीजीजू ने कहा, ''साथ ही प्रधानमंत्री ने कहा कि छात्रों का भविष्य प्रभावित न हो, इसलिए नीट की पुनर्परीक्षा को प्राथमिकता दी गई, उसका सफलतापूर्वक आयोजन कराया गया और परिणाम भी बिना किसी देरी के घोषित किए गए।'' उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि भविष्य में इस तरह की प्रश्नपत्र लीक की घटनाओं को रोकने के लिए कड़े कदम उठाए गए हैं।

रीजीजू के अनुसार, प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रश्नपत्र लीक मामले में शामिल लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने यह भी जोर दिया कि प्रश्नपत्र लीक मामले के दोषियों को देश के शीर्ष विधि विशेषज्ञों की सहायता से यथासंभव कड़ी सजा दिलाई जानी चाहिए, ताकि ऐसे गंभीर अपराधों में शामिल लोगों के खिलाफ नजीर पेश करने वाली कार्रवाई हो और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

सिक्किम में निर्माणाधीन सुरंग ढहने से 10 लोगों की मौत

गंगटोक/भाषा। सिक्किम के नामची जिले में निर्माणाधीन सुरंग ढहने से 10 मजदूरों की मौत हो गई। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

नामची के जिलाधिकारी ने कहा कि पीड़ितों की संख्या बढ़ सकती है क्योंकि खोज एवं बचाव अभियान जारी है। सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने कहा कि झोलुंगे के समरडुंग में एनएचपीसी (नेशनल हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर कॉरपोरेशन) तीस्ता चरण-छह जल विद्युत परियोजना के तहत निर्माणाधीन सुरंग भूस्खलन के कारण ढह गई।

मुख्यमंत्री ने बताया कि सोमवार को एडीआईटी-तीन सुरंग अचानक ढह गई और घटना के वक्त परियोजना अधिकारी और श्रमिकों समेत कुल 25 लोग सुरंग के अंदर फंसे हुए थे। तमांग ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उनसे फोन पर बात की और बचाव अभियान के बारे में जानकारी ली। नामची पुलिस ने एक बयान में कहा, मंगलवार सुबह साढ़े नौ बजे तक 10 शव बरामद किए गए।

GURU NANAK COLLEGE (AUTONOMOUS)

A Sikh Minority Institution | Unit of Guru Nanak Educational Society (Regd.)
Affiliated to University of Madras | Approved by AICTE | Accredited at "A++" Grade by NAAC (CGPA 3.68)
Guru Nanak Salai, Velachery, Chennai - 600 042.

A++ CGPA 3.68 NAAC ACCREDITATION
Highest Score in the Chennai City Colleges

Shaping Excellence
Inspiring Innovation
Empowering Futures
From Campus to Career

GOVERNMENT AIDED STREAM (GAS)
Timings: 8.00 A.M. - 1.00 P.M.

Undergraduate Programmes
B.A. Economics
B.A. Defence and Strategic Studies
B.Sc. Mathematics
B.Sc. Physics
B.Sc. Chemistry
B.Sc. Plant Biology and Plant Biotechnology
B.Sc. Advanced Zoology and Biotechnology
B.Com. General
B.Com. Corporate Secretaryship

Postgraduate Programmes
M.A. Economics
M.Sc. Chemistry
M.Com. General

Doctoral Programmes
Defence and Strategic Studies, Economics, Chemistry, Zoology, Commerce, Tamil (Part time), English (Part time)
Insect Plant Interaction (GRI)

SELF FINANCING STREAM - I (SFS - I)
Timings: 8.00 A.M. - 1.00 P.M.

Undergraduate Programmes
B.A. Political Science
B.Sc. Visual Communication
B.Sc. Biotechnology
B.Sc. Information Technology
B.Sc. Data Analytics
B.Com. General
B.Com. Corporate Secretaryship
B.Com. Information System Management
B.Com. Computer Applications
B.Com. Professional Accounting

Postgraduate Programmes
M.A. Defence and Strategic Studies
M.S.W. Master of Social Work
M.Sc. Zoology
M.Sc. Computer Science with Artificial Intelligence

Professional Programmes
M.B.A. Master of Business Administration
M.C.A. Master of Computer Applications

SELF FINANCING STREAM - II (SFS - II)
Timings: 1.10 P.M. - 6.10 P.M.

Undergraduate Programmes
B.A. English
B.A. Sociology
B.B.A. Bachelor of Business Administration
B.B.A. Bachelor of Business Administration (Retail Management)
B.C.A. Bachelor of Computer Applications
B.Sc. Computer Science
B.Sc. Computer Science with Artificial Intelligence
B.Com. General
B.Com. Corporate Secretaryship
B.Com. Accounting and Finance
B.Com. Bank Management
B.Com. Marketing Management
B.Com. Honours

ADMISSIONS
enquiry2026@gurunanakcollege.edu.in
www.gurunanakcollege.edu.in

Campus & Infrastructure : 25-acre campus | Smart classrooms | Extensive Central & digital library | Media Labs | Advanced Science & Computer Labs | Playground & Sports Complex including Rifle Shooting

Academic Excellence : School of IT, Commerce & Management aligned with Industries such as SAS, CISCO, NASSCOM | Platform Engineering Course to all programmes under School of IT in partnership with WIPRO Only College in Chennai offering Defence & Strategic Studies at UG, PG and Ph.D level | Flexible, Value-based, Interdisciplinary & Internship, Project embedded Curriculum

Skill Development : 96 Certificate Courses with MSME, KVIC, CISCO, NASSCOM, ICT Academy | Two Skill Courses (2 Credits each) Every Year | TIDCO–TICEL Biopark, Partnership for Life Sciences Verticals | Declared as Centres of Excellence by CISCO, NASSCOM, WIPRO

Research & Innovation : Multidisciplinary research | Exclusive Student Research Club | Well-equipped Research Lab | Seed Money for faculty, scholars and students | In-house product development

Vibrant Student Life : 50+ Domain-based Clubs | NCC, NSS, YRC, Rotaract & other Service Clubs | Trained Counsellor | Scholarships & Earn While You Learn Scheme |

Placement & Career Empowerment : Pre-placement Training | The Hindu – STEP Program for LRSW Skill-Campus to Corporate | AI-based Employability Tools (Wadhwani Foundation) | 100 + companies | Top Recruiters: TCS, WIPRO, Cognizant, Deloitte, EY, Accenture etc.

Global Collaboration : MoUs with Europe India Foundation for Excellence (EIFE), ISIPCA-France, WIPRO, CISCOStatistical Analysis System (SAS), HCL Foundation (HCLF), etc for Academic, Research, Community Engagement and Sports | Partnerships with AWS, Infosys Springboard, Celonis, Oracle, MongoDB, UIPATH | Industry driven

Sports Excellence : Developed National & International Players promotes Women's participation in sports International Standard Cricket Stadium | Shaheed Bhagat Singh Sports Complex with Saragarhi Shooting Academy | Gym, Coaching, Medical & Nutritional Support | Sports Scholarships, Awards, Fee Concession / waiver, Travel Assistance and incentives | Placement Assistance

Consultancy & Outreach : Corporate Training & Industry Collaboration | Village Adoption & NGO Engagement | Swabodhini School for Special Children | Women Self-defense & CPR Training | Police well-being Centre | Medical Centre

Rankings / Awards and Recognition: NIRF Rank Band 101-150 | Top 100 Nation wide in Education World, India Today, Open Magazine and Top 50 in The Week |Education World - honoured for leadership and community impact for five consecutive years | MONGO DB - Institution Partner is Success Award | CISCO - India Excellence Award for Cybersecurity | NASSCOM - for highest digital skill certification | ICT Academy - Academic partner Excellence Award | PENN Trust and KYN Award - for women safety contribution and social service initiatives | GNCIIES - Highest score of a 4-Star Rating awarded by the Ministry of Education's Innovation Cell (IIC)

GATEWAY to NEW CAREERS
Learn - Lead - Transform - Succeed

NO DONATION CAPITATION FEE

HELP DESK
89255 03610
89255 03611
89255 03612

Admissions 2026-27

nirf 2025 101-150 Rank Band | EW Ranked among Top 20 Colleges in India | THE WEEK hansa research Ranked among Top 50 Colleges in India | INDIA TODAY Ranked among Top 100 Colleges in India | OPEN MAGAZINE Ranked among Top 25 Colleges in India

छात्रों पर पुलिस कार्रवाई को लेकर संसद में हंगामा, दोनों सदन दिन भर के लिए स्थगित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। नीट प्रश्नपत्र लीक मामले और इसके विरोध में दिल्ली में प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस की कार्रवाई के मुद्दे पर मंगलवार को संसद के दोनों सदनों में विपक्षी सदस्यों ने हंगामा किया।

हंगामे की वजह से दोनों सदनों की बैठकें दो-दो बार के स्थगन के बाद अंततः पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गईं। मानसून सत्र के दूसरे दिन भी दोनों सदनों में प्रश्नकाल और शून्यकाल नहीं हो सके, न ही अन्य कोई महत्वपूर्ण विधायी कामकाज हो पाया। लोकसभा की बैठक पूर्वाह्न 11 बजे शुरू होने पर अध्यक्ष ओम बिरला ने प्रश्नकाल शुरू कराया। इसी दौरान कांग्रेस समेत विपक्षी दलों के सदस्य अपनी मांगें उठाते हुए शोर-शराबा करने लगे। बिरला ने आसन के पास नारेबाजी कर रहे विपक्षी दलों के सांसदों से प्रश्नकाल चलने देने की अपील की। उन्होंने कहा, प्रश्नकाल चलाने में सहयोग करें। प्रश्नकाल के बाद उचित नियम प्रकियाओं के तहत सभी मुद्दों पर चर्चा करने का अवसर दिया जाएगा। शोर-शराबे के बीच उन्होंने कार्यवाही कुछ मिनट बाद ही दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। सदन की कार्यवाही दोपहर 12 बजे शुरू होते ही विपक्षी सदस्य आसन के निकट पहुंचकर नारेबाजी करने लगे। हंगामे के बीच ही पीठासीन सभापति संध्या राय ने जरूरी कागजात सदन के पटल पर रखवाए। राय ने हंगामा कर रहे सदस्यों से अपने स्थान पर बैठकर कार्यवाही चलने देने की अपील की। उन्होंने हंगामा नहीं थमने पर दोपहर 12 बजकर नौ मिनट पर सदन की बैठक दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी। दो बार के स्थगन के बाद कार्यवाही फिर शुरू हुई तो विपक्षी सांसद सुबह की तरह ही नारेबाजी करने लगे।

पीठासीन सभापति दिलीप सैकिया ने शोर-शराबा कर रहे सांसदों से नियम 377 के तहत सदस्यों को विषय उठाने देने की अपील की। उन्होंने सदन में पोस्टर और बैनर दिखाने तथा विपक्षी सदस्यों के काले परिधान पहनकर विरोध जताने पर भी आपत्ति जताते हुए कहा कि इससे सदन की गरिमा को ठेस पहुंचती है। हंगामा जारी रहने पर सैकिया ने कुछ मिनट बाद ही कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी।

उधर राज्यसभा में भी ऐसा ही नजारा दिखा। पूर्वाह्न 11 बजे उच्च सदन की बैठक शुरू होने पर सभापति सी पी राधाकृष्णन ने नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को उनके जन्म दिन पर शुभकामनाएं दीं तथा उनके दीर्घ, स्वस्थ्य एवं खुशहाल जीवन की कामना की। सभापति ने सदन को सूचित किया कि मनोनीत सदस्य पी टी उषा ने ग्लासगो में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों में भारतीय दल का नेतृत्व करने के दायित्व को पूरा करने के मकसद से इस सत्र में 20 जुलाई से चार अगस्त तक अनुपस्थित रहने की अनुमति मांगी है। सदन ने उन्हें इसकी अनुमति दे दी। बाद में खरगे ने कुछ कहना चाहा और सभापति ने उन्हें अपनी बात रखने की अनुमति दी। खरगे ने कहा कि नीट पेपर लीक को लेकर सोमवार को राजधानी में प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस ने बल प्रयोग किया जो उचित नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदर्शनकारी छात्रों पर लाठीचार्ज किया गया और पुलिस ने आंसू गैस के गोले भी छोड़े। उनकी बात पूरी भी नहीं हो सकी कि सत्ता पक्ष के सदस्यों ने आपत्ति जताते हुए नारेबाजी शुरू कर दी। इस पर विपक्षी सदस्यों ने भी हंगामा शुरू कर दिया। सदन में हंगामे को देखते हुए सभापति राधाकृष्णन ने कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी और शून्यकाल नहीं हो पाया। दोपहर 12 बजे बैठक शुरू होने पर सभापति ने प्रश्नकाल शुरू कराना चाहा लेकिन सदन में हंगामा जारी रहा और उन्होंने कार्यवाही दोपहर दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी। दो बार के स्थगन के बाद दोपहर दो बजे बैठक शुरू होने पर भी कांग्रेस सहित विभिन्न विपक्षी दलों के सदस्यों का हंगामा जारी रहा। सदन की संशोधित कार्य सूची के अनुसार आज गृह मंत्री अमित शाह को राष्ट्र गौरव अपमान निवारण (संशोधन) विधेयक, 2026 पेश करना था। इस विधेयक में 1971 के मूल अधिनियम में संशोधन का प्रावधान है। उपसभापति हरिवंश ने हंगामा कर रहे सदस्यों को शांत कराने का प्रयास करते हुए कहा, ''आप जानते हैं कि सदन में आज जो भी कामकाज सूचीबद्ध है, उसी पर आप बात कर सकते हैं।''

'कुछ लोग अपना एजेंडा आगे बढ़ाने और अशांति पैदा करने के लिए कॉजपा के प्रदर्शन में घुसे'

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को कहा कि 'कॉकरोच जनता पार्टी' (कॉजपा) के आंदोलन में शामिल कई लोगों की चिंताएं वास्तविक थीं, लेकिन कुछ लोग अपने निहित स्वार्थों के लिए प्रदर्शन में घुस गए थे। फडणवीस ने संवाददाताओं से कहा कि शांतिपूर्ण ढंग से विरोध प्रदर्शन करना लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन आंदोलन की आड़ में हिंसा बर्दाश्त नहीं की जाएगी और ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई होगी।

उन्होंने कहा, ''लोकतंत्र में सभी को विरोध प्रदर्शन करने का अधिकार है। यदि कोई प्रदर्शन शांतिपूर्ण तरीके से और विधिवत अनुमति लेकर किया जाता है तो उसे अनुमति दी जाएगी। इस तरह के आंदोलन हर नागरिक का लोकतांत्रिक अधिकार हैं।'' हालांकि, उन्होंने हिंसा और बिना अनुमति किए जाने वाले प्रदर्शनों के खिलाफ चेतावनी दी। दिल्ली में सोमवार को राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (नीट) और विभिन्न परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के विरोध में कॉजपा के संसद चलो' मार्च में हजारों प्रदर्शनकारी शामिल हुए थे। प्रदर्शनकारियों द्वारा कथित तौर पर बैरिकेड तोड़ने का प्रयास किए जाने के बाद संसद मार्ग के निकट सुरक्षा बलों ने लाठीचार्ज किया था।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा, ''जानबूझकर राजनीतिक अशांति पैदा करने का प्रयास करना, बिना अनुमति के प्रदर्शन करना और हिंसा का सहारा लेना किसी भी परिस्थिति में स्वीकार्य नहीं है। ऐसे मामलों में आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।'' उन्होंने कहा कि वह आंदोलन में शामिल सभी लोगों पर आरोप नहीं लगाना चाहते और यह स्वीकार किया कि कई छात्र वास्तविक चिंताओं के कारण प्रदर्शन कर रहे हो सकते हैं। उन्होंने कहा, ''मैं सभी प्रदर्शनकारियों पर आरोप नहीं लगाना चाहता। उनमें से कुछ लोग अच्छे इरादे से आंदोलन में शामिल हुए होंगे।''

घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या जून में 12 प्रतिशत घटकर 1.35 करोड़ पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

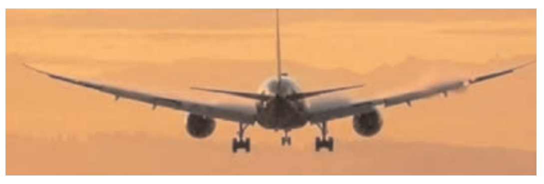

नई दिल्ली/भाषा। घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या जून में लगभग 12 प्रतिशत घटकर 1.35 करोड़ रही, जबकि मई में एयरलाइन कंपनियों ने 1.53 करोड़ यात्रियों को सेवाएं दी थीं। सरकारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। बीते वर्ष इसी महीने में 1.36 करोड़ यात्रियों की संख्या की तुलना में पिछले महीने यह गिरावट मामूली रही। आम तौर पर, जून, जुलाई और अगस्त का समय एयरलाइंस के लिए यात्रियों की संख्या के लिहाज से नरम होता है।

नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) के आंकड़ों के अनुसार, जून में इंडिगो की बाजार हिस्सेदारी बढ़कर 66.3 प्रतिशत हो गयी जो मई में 64.9 प्रतिशत थी। इसी दौरान एयर इंडिया समूह की बाजार हिस्सेदारी घटकर 23.9 प्रतिशत रह गयी जो इससे पिछले महीने 25.6 प्रतिशत थी। अकासा एयर की बाजार हिस्सेदारी बढ़कर 6.4 प्रतिशत हो गयी जो मई में 5.8 प्रतिशत थी। स्पाइसजेट की बाजार हिस्सेदारी घटकर पिछले महीने 1.9 प्रतिशत रही जो मई में 2.5 प्रतिशत थी। डीजीसीए ने जून के लिए यातायात आंकड़ों पर अपनी रिपोर्ट में कहा, घरेलू एयरलाइन कंपनियों से जनवरी-जून, 2026 के दौरान यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या 864.04 लाख थी, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह संख्या 851.74 लाख थी। इस तरह सालाना आधार पर 1.44 प्रतिशत की वृद्धि और मासिक आधार पर 1.03 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।''

पश्चिम एशिया में संघर्ष के कारण ईंधन की कीमतें बढ़ने की वजह से एयरलाइन कंपनियों ने अपने नेटवर्क में भी कुछ समय के लिए कटौती की थी। इंडिगो का जून में समय पर उड़ान संचालन 89.4 प्रतिशत रहा। इसके बाद एयर इंडिया ग्रुप (85.9 प्रतिशत), अकासा एयर (82.7 प्रतिशत), अलायंस एयर (74.7 प्रतिशत) और स्पाइसजेट (33.5 प्रतिशत) का स्थान रहा। समय पर उड़ान संचालन (ओटीपी) की गणना 10 प्रमुख हवाई अड्डों... बेंगलूरु, दिल्ली, हैदराबाद, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, अहमदाबाद, कोचीन, गुवाहाटी और लखनऊ... के लिए की जाती है। पिछले महीने,अनुसूचित घरेलू एयरलाइंस के लिए कुल उड़ान रद्द होने की दर 0.63 प्रतिशत रही। जून में उड़ानें रद्द होने से प्रभावित 43,968 यात्रियों के मुआवजे और सुविधाओं के लिए घरेलू एयरलाइंस ने 61.98 लाख रुपये खर्च किए। आंकड़ों के अनुसार, उड़ान में देरी से प्रभावित 1,10,273 यात्रियों की सुविधाओं पर एयरलाइंस ने कुल 2.85 करोड़ रुपये खर्च किए। विमानन कंपनियों ने जून में 1,847 यात्रियों को बोर्डिंग से मना कर दिया।

अग्रवाल नवयुवक संघ द्वारा छात्रवृत्ति कार्यक्रम

चेन्नई। यहां श्री अग्रवाल नवयुवक संघ द्वारा वेपरी स्थित अग्रवाल विद्यालय में छात्रवृत्ति वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संघ के अध्यक्ष नीरज मारोदिया ने इस अवसर पर अपने प्रेरणादायक स्वागत भाषण से सभी का हार्दिक स्वागत किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इस वर्ष 5 छात्रों को उनकी शिक्षा में निरंतर सहयोग प्रदान करने का संकल्प लिया गया है। संघ ने गरीब एवं होनहार बच्चों को स्कॉलरशिप देकर उनकी पढ़ाई का मार्ग प्रशस्त किया है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आईपीएस, तमिलनाडु पुलिस महानिदेशक तथा तमिलनाडु यूनिफॉर्म्ड सर्विसेज़ रिक्रूटमेंट बोर्ड के अध्यक्ष संदीप मित्तल थे उन्होंने अपने संबोधन में छात्रों से धैर्य, लगन एवं दृढ़ता से जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी । उन्होंने संघ द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा भी की।कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रमोद भालोटिया एवं अभिषेक भालोटिया भी उपस्थित थे।

अपने संबोधन में अभिषेक भालोटिया ने सफलता के महत्व तथा उसे प्राप्त करने के तीन स्वर्णिम नियमों के बारे में विद्यार्थियों को अवगत कराया। इस अवसर पर अग्रवाल नवयुवक ट्रस्ट के सभापति संतोष लाट, अग्रवाल समाज के अध्यक्ष सावरमल खेमका एवं ट्रस्ट के प्रबंध न्यासी अमित अग्रवाल सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

दिल्ली में किसान महापंचायत से पहले हरियाणा पुलिस ने शंभू बॉर्डर सील किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शंभू/अंबाला/भाषा। पंजाब के किसान नेता सरवन सिंह पंढेर ने प्रस्तावित भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के विरोध में महापंचायत में शामिल होने दिल्ली जा रहे किसानों को रोकने के लिए शंभू बॉर्डर पर अवरोधक लगाए जाने को लेकर मंगलवार को हरियाणा सरकार की आलोचना की। पंजाब के विभिन्न इलाकों से किसान अपने-अपने संगठनों के झंडे लिए मंगलवार सुबह राष्ट्रीय राजधानी की ओर जाने के लिए शंभू बॉर्डर पर इकट्ठा हुए।

'देश बचाओ मोर्चा' के बैनर तले दिल्ली के किसान घाट पर एक दिवसीय 'किसान महापंचायत' का आयोजन किया जा रहा है। पंजाब-हरियाणा के शंभू बॉर्डर पर बड़ी संख्या में पुलिस बल को तैनात किया गया है। किसानों को रोकने के लिए घग्गर नदी पर बने पुल पर अवरोधक लगाए गए हैं और सीमेंट के ब्लॉक रख दिए गए हैं। किसान नेताओं ने पहले ही कहा था कि पंजाब, हरियाणा और अन्य राज्यों से बड़ी संख्या में किसान इस महापंचायत में भाग लेंगे। पंजाब के विभिन्न हिस्सों से किसान बसों के जरिए दिल्ली जाने की तैयारी कर चुके हैं।

पंजाब के फतेहगढ़ साहिब में पंढेर ने संवाददाताओं से कहा कि किसान शांतिपूर्ण ढंग से दिल्ली जाना चाहते हैं, लेकिन हरियाणा सरकार उन्हें शंभू बॉर्डर पर रोक रही है।

उन्होंने आरोप लगाया कि इस कार्रवाई से हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का ''असली चेहरा'' सामने आ गया है, जबकि वह अक्सर पंजाब आकर राज्य के लोगों से बड़े-बड़े वादे करते हैं। पंढेर ने कहा कि किसान प्रस्तावित भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को पूरी तरह रद्द करने की मांग कर रहे हैं।

भारतीय किसान यूनियन (शहीद भगत सिंह) के नेता तेजवीर सिंह ने कहा कि हरियाणा पुलिस ने बिना किसी पूर्व सूचना के शंभू बॉर्डर को पूरी तरह सील कर दिया है। किसानों का काफिला मंगलवार सुबह गुरुद्वारा श्री फतेहगढ़ साहिब से रवाना हुआ। एक हजार से अधिक किसानों ने सोमवार रात गुरुद्वारे की सराय में बिताई।

दीपके भविष्य में भीम आर्मी के टिकट पर चुनाव लड़ेंगे : निशिकांत दुबे

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद निशिकांत दुबे ने मंगलवार को दावा किया कि 'कॉकरोच जनता पार्टी' (कॉजपा) के संस्थापक अभिजीत दीपके भविष्य में भीम आर्मी के टिकट पर चुनाव लड़ेंगे, क्योंकि हर जन आंदोलन से राजनीतिक नेता निकलते हैं। झारखंड के गोड्डा से सांसद ने कहा कि हालांकि, यह आंदोलन अब भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपना नेता मानता है और अपनी समस्याओं के समाधान के लिए उनकी ओर देखता है।

दुबे ने संसद भवन परिसर में संवाददाताओं से कहा, ''हर आंदोलन ने राजनीतिक नेता दिए हैं। जेपी आंदोलन से लालू प्रसाद यादव जैसे नेता निकले। अरविंद केजरीवाल भी अन्ना हजारे के आंदोलन से ही सामने आए थे।'' उन्होंने कहा, ''अभिजीत दीपके भी भविष्य में चुनाव लड़ सकते हैं। नेपाल में भी, 'जेन जेड' आंदोलन से जुड़े लोग आखिरकार किसी राजनीतिक पार्टी में शामिल हो गए। इसी तरह, अभिजीत दीपके भी किसी राजनीतिक पार्टी में शामिल होंगे। मैं पूरे यकीन के साथ कह सकता हूं कि वह भीम आर्मी के टिकट पर चुनाव लड़ेंगे। नीट प्रश्नपत्र लीक मामले में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर सोमवार को हजारों लोग 'कॉकरोच जनता पार्टी' के 'चलो संसद' मार्च में शामिल हुए।

स्वागत

कोयम्बटूर में यहां सोमवार देर शाम को बाघेश्वर धाम के श्री धीरेन्द्र शास्त्री का हवाई अड्डे पर ईशा फाउन्डेशन के पदाधिकारियों, एवं स्थानीय कोयम्बटूर जाट समाज के अध्यक्ष गोवर्दन जाट, माली समाज के मदनलाल माली, जगदीशचन्द माली, महावीर गौशाला के उपाध्यक्ष बाबूलाल बागरेचा, राजस्थान फाउन्डेशन के संतोष पटवारी, राजपुरोहित समाज के डालूसिंह, विप्र फाउन्डेशन के श्रवण बोहरा सहित अनेक संस्थाओं के पदाधिकारियों ने स्वागत किया। प्रवासियों द्वारा धीरेन्द्र शास्त्री का भव्य स्वागत किया गया। बाद में शास्त्रीजी ने ईशा फाउन्डेशन के आदियोगी संस्थान का दौरा किया और वहां सद्गुरु से मुलाकात की।

जेपी नड्डा ने आरएमएल और लेडी हार्डिंग अस्पतालों का किया दौरा

घायल प्रदर्शनकारियों का कुशलक्षेम जाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी के राम मनोहर लोहिया (आरएमएल) और लेडी हार्डिंग अस्पतालों का दौरा किया तथा अधिकारियों से मुलाकात कर कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) के प्रदर्शनकारियों की स्वास्थ्य स्थिति के बारे में जानकारी ली। ये प्रदर्शनकारी 'चलो संसद' मार्च के दौरान घायल हो गए थे। सूत्रों ने बताया कि नड्डा ने छात्रों को दी जा रही चिकित्सीय सुविधाओं की भी समीक्षा की। अस्पताल अधिकारियों ने मंत्री को छात्रों की स्वास्थ्य स्थिति के बारे में जानकारी दी और बताया कि वे सभी चिकित्सीय देखरेख में हैं तथा उन्हें आवश्यक उपचार दिया जा रहा है।

प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर सोमवार को कॉजपा के चलो संसद' मार्च में हजारों लोग शामिल हुए थे। दिल्ली पुलिस के अनुसार, विरोध प्रदर्शन के दौरान लगभग 60 प्रदर्शनकारी घायल हो गए।

राज्यसभा में छात्रों का मुद्दा उठाया तो सरकार ने मुंह बंद करा दिया : खरगे

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को आरोप लगाया कि सरकार ने राज्यसभा में उनका मुंह बंद करा दिया और राजधानी में सोमवार को प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर लाठीचार्ज के मुद्दे पर चर्चा की अनुमति नहीं दी। उन्होंने यह दावा भी किया कि सरकार खुद देश में अराजकता पैदा करना चाहती है।

राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष खरगे ने सदन की कार्यवाही दिन में दो बजे तक तक स्थगित होने के बाद संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, ''हम इस अन्याय और अत्याचार के खिलाफ सदन में चर्चा करना चाहते थे, लेकिन एक शब्द बोलते ही माइक बंद कर दिया गया। सरकार ने हमारा ही मुंह बंद करा दिया।''

उन्होंने कहा कि विपक्ष चाहता था कि प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर लाठीचार्ज और उनके घायल होने के मुद्दे पर सदन में चर्चा हो तथा इसके बाद गृह मंत्री बयान दें, लेकिन सरकार ने चर्चा का अवसर नहीं दिया। खरगे ने सवाल किया, ''आखिर प्रदर्शन कर रहे बच्चों पर लाठीचार्ज क्यों किया गया? उन्हें क्यों मारा-पीटा गया? अगर इन मुद्दों पर संसद में भी चर्चा नहीं हो सकती, तो कहां बात करें?''

उन्होंने दावा किया कि ''सरकार खुद अराजकता पैदा कर रही है'' और लोगों को उकसा रही है, ताकि उनके खिलाफ लाठीचार्ज किया जा सके, उन्हें मार-पीटकर डराया जाए और जेल में डाला जा सके। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि विपक्ष इन मुद्दों को सदन में उठाना चाहता था, लेकिन उसे मौका नहीं दिया गया।

अदालत ने वांगचुक को मेदांता अस्पताल स्थानांतरित करने की सलाह दी

सरकार ने कहा : कोई आपत्ति नहीं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली उच्च न्यायालय ने प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के खिलाफ 28 जून से अनशन कर रहे जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को सफदरजंग अस्पताल से गुरुग्राम स्थित मेदांता अस्पताल स्थानांतरित करने का मंगलवार को परामर्श दिया।

मुख्य न्यायाधीश डी.के. उपाध्याय और न्यायमूर्ति तेजस करिया की खंडपीठ वांगचुक की पत्नी गीतांजलि आंग्मो की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें एकल पीठ के रविवार के आदेश को चुनौती दी गई है। एकल पीठ ने सफदरजंग अस्पताल में वांगचुक का किये जा रहे उपचार में दखल देने से इनकार कर दिया था।

सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि वांगचुक को मेदांता अस्पताल स्थानांतरित किए जाने पर केंद्र सरकार को कोई आपत्ति नहीं है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि वांगचुक को चिकित्सकीय सलाह के बिना मेदांता अस्पताल से छुट्टी की मांग नहीं करनी चाहिए। मेहता ने कहा, ''मेदांता एक प्रतिष्ठित अस्पताल है। यदि उन्हें (वांगचुक को) वहां स्थानांतरित किया जाता है, तो सरकार को कोई आपत्ति नहीं।'' सुनवाई के दौरान, पीठ ने सफदरजंग अस्पताल में वांगचुक के उपचार की निगरानी कर रहे अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के चिकित्सकों और जलवायु कार्यकर्ता के निजी चिकित्सक से भी बातचीत की। अदालत ने पाया कि दोनों पक्ष इस बात पर सहमत हैं कि वांगचुक को लगातार उपचार की जरूरत है। पीठ ने कहा, ''हम उन्हें मेदांता अस्पताल स्थानांतरित करने की सलाह देते हैं।'' अदालत ने यह भी कहा कि वह इस संबंध में भोजनावकाश के बाद आदेश पारित करेगी। आंग्मो ने अपनी अपील में कहा है कि एकल न्यायाधीश का रविवार का आदेश बिना किसी गिरफ्तारी के ही वांगचुक को अवैध रूप से सफदरजंग अस्पताल में रहने के लिए बाध्य करता है और यह निर्देश देता है कि न तो वांगचुक और न ही उनकी पत्नी के पास उनके चिकित्सीय उपचार से संबंधित निर्णय लेने का अंतिम अधिकार है। न्यायमूर्ति मिनी पुष्करणा ने विशेष सुनवाई के दौरान वांगचुक के सफदरजंग अस्पताल में जारी इलाज के मामले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया था।

“ मानसिक स्वास्थ्य हमारे समग्र कल्याण का एक बहुत ही महत्वपूर्ण हिस्सा है। आइए हम सब मिलकर ऐसा वातावरण बनाएँ, जहाँ मानसिक स्वास्थ्य पर बातचीत आम और सहज हो सके। ”

श्री नरेंद्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय
MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

Tele MANAS 14416

टेली मानस

भारत का राष्ट्रीय टेली मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की पहल

क्या आप किसी मानसिक स्वास्थ्य समस्या से जूझ रहे हैं?

कभी भी, कहीं से भी टेली मानस के माध्यम से सहायता पाएं।
24/7, 20+ भाषाओं में, पूरे भारत में उपलब्ध।

इन चिंताओं के लिए हमें कॉल करें:

- ज़्यादातर समय उदास या घबराहट महसूस होना
- पढ़ाई, नौकरी या पैसों की चिंता होना
- नींद से जुड़ी समस्याएँ होना
- खुद को नुकसान पहुँचाने या आत्महत्या के विचार आना
- परिवार या रिश्तों में समस्याएँ होना
- शराब या अन्य नशे की समस्या होना
- मोबाइल का बहुत ज़्यादा इस्तेमाल करना
- मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी कोई अन्य समस्या होना

टेली मानस ऐप डाउनलोड करें और स्व-देखभाल सामग्री तथा वेलनेस अभ्यास मॉड्यूल देखें।

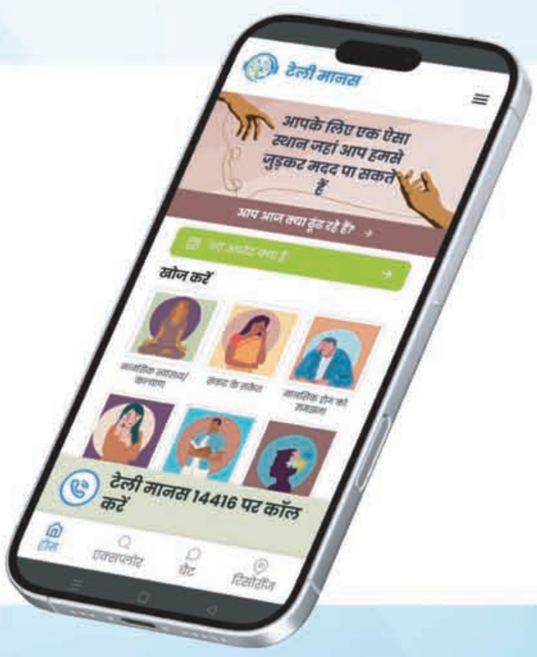

- 10 क्षेत्रीय भाषाओं + अंग्रेज़ी और हिंदी में उपलब्ध।
- दिव्यांग उपयोगकर्ताओं के लिए एक्सेसिबिलिटी फीचर्स।
- मिलिए ‘अस्मी’ से आपके सवालों, जानकारी और सहायता के लिए आपका चैटबॉट।

CBC 17193/13/0001/2627

टेली मानस को कॉल करें

24/7

14416

टोल-फ्री नंबर

यहाँ स्कैन करें

टेली मानस के बारे में और जानने व ऐप डाउनलोड करने के लिए!

संवेदनशील मामलों की हो त्वरित जांच : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग को सुरक्षित एवं सम्मानपूर्वक जीवन जीने का वातावरण उपलब्ध कराने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। राज्य सरकार द्वारा गत ढाई वर्षों में उठाए गए कदमों के कारण अनुसूचित जाति और जनजातियों के विरुद्ध अत्याचार के प्रकरणों में उल्लेखनीय कमी आई है। वर्ष 2023 की तुलना में 2025 में ऐसे प्रकरणों में लगभग 28 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। मुख्यमंत्री ने मंगलवार को मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित राज्य स्तरीय सतर्कता एवं मॉनिटरिंग समिति की बैठक में कहा कि एससी-एसटी वर्ग के विरुद्ध अपराध करने वालों पर कठोरता से कार्रवाई की जाए और समाज में समरसता का वातावरण बनाने में सहयोग करने वालों को प्रोत्साहित किया जाए।

वर्ष 2024 की तुलना में वर्ष 2025 में अनुसूचित जाति एवं जनजाति अत्याचार के दर्ज प्रकरणों में 15.88 प्रतिशत तथा वर्ष 2025 के पहले 6 माह की तुलना में वर्ष 2026 में 15.49 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। वर्ष 2023 में अधिनियम के तहत दर्ज प्रकरणों में से 35.16 प्रतिशत का निस्तारण 60 दिन में किया जा रहा था, जो 2025 में बढ़कर लगभग 47 प्रतिशत और जुलाई, 2026 तक 67.88 प्रतिशत हो गया है। वहीं, प्रकरणों के निस्तारण का औसत समय 128 दिन से घटकर 53 दिन रह गया है। एफआर लगे प्रकरणों में अब 10 प्रतिशत के स्थान पर 20 प्रतिशत का रैंडम सत्यापन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एक तरफ तो एससी-एसटी वर्ग पर अत्याचार के मामलों में कमी आई है, वहीं दूसरी ओर अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत दर्ज प्रकरणों के 60 दिवस की निर्धारित अवधि में निस्तारण में भी पहले की तुलना में काफी तेजी आई है। लगभग 68 प्रतिशत प्रकरणों का निस्तारण 60 दिन के भीतर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य के 45 पुलिस जिलों में एससी-एसटी सेल स्थापित किए जा चुके हैं एवं शेष 6 पुलिस जिलों में भी एससी-एसटी सेल शीघ्र स्थापित होंगे। उन्होंने अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के विरुद्ध होने वाले अपराधों में दोष सिद्धि की दर में और अधिक सुधार के लिए पुलिस और अभियोजन विभाग को समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सामाजिक समरसता और मेलजोल बढ़ाने के लिए जिला और उपखंड स्तरीय निगरानी एवं सतर्कता समिति की बैठक नियमित रूप से आयोजित की जाएं और वर्ष में दो बार पंचायत स्तर पर भी इन बैठकों का आयोजन किया जाए।

उन्होंने निर्देश दिए कि दर्ज प्रकरणों की सतत निगरानी की जाए तथा एक वर्ष से अधिक समय से लंबित मामलों के शीघ्र निस्तारण के लिए विशेष अभियान चलाया जाए। साथ ही, संवेदनशील मामलों की जांच पूरी गंभीरता और त्वरित गति से हो। एफआईआर दर्ज होने से लेकर न्यायालय में अंतिम निस्तारण तक पीड़ितों को अधिनियम के तहत देय आर्थिक सहायता भी समय पर उपलब्ध करवाई जाए। बैठक में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन, पीड़ितों को सहायता, लंबित प्रकरणों के निस्तारण तथा कानून की सख्त एवं समयबद्ध अनुपालना पर चर्चा हुई। अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों के तहत राज्य सरकार द्वारा की गई कार्यवाही, दर्ज एफआईआर, अनुसंधान की अवधि, चालान प्रस्तुत करने की समयसीमा तथा पीड़ित परिवारों को प्रदान की जाने वाली आर्थिक सहायता की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान एफआईआर एवं चालान स्तर पर पिछले तीन वर्षों में वितरित आर्थिक सहायता, सहायता पोर्टल की प्रगति तथा लंबित मामलों की समीक्षा भी की गई।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सहायता संबंधी लंबित प्रकरणों की थाना एवं जिला स्तर पर नियमित समीक्षा सुनिश्चित की जाए, जिससे पीड़ितों को समय पर राहत मिल सके। इस दौरान संस्थागत शिकायत निवारण प्रणाली के अंतर्गत हेल्पलाइन, हेल्पडेस्क एवं पोर्टलों पर प्राप्त शिकायतों की रियल टाइम मॉनिटरिंग तथा त्वरित समाधान की भी समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायतों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता तथा अभियोजन विभाग के सभी अधिकारी आपसी समन्वय और संवेदनशीलता के साथ कार्य करें, ताकि अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के लोगों के न्याय, सुरक्षा और अधिकारों का प्रभावी संरक्षण सुनिश्चित किया जा सके।

सेवानिवृत्त सहायक पुलिस निरीक्षक और उसके रिश्तेदारों ने पीट-पीटकर की एक युवक की हत्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के भरतपुर जिले में एक सेवानिवृत्त सहायक पुलिस निरीक्षक ने अपने रिश्तेदारों के साथ मिलकर कथित रूप से एक युवक की लाठी-डंडों और लोहे की छड़ से पीट-पीटकर हत्या कर दी। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि उद्योग नगर थानाक्षेत्र के तुहिया गांव में सोमवार को यह घटना हुई जिसके बाद से आरोपी फरार हैं। थाना अधिकारी राजेश कसाना ने बताया कि तुहिया के नकुल सिंह ने भतीजे सुशील कुमार (30) की हत्या कर दिये जाने का मामला दर्ज करवाया है।

प्राथमिकी की अनुसार किसान सुशील के नाम राजमार्ग किनारे करोड़ों रुपए की जमीन थी जिसपर पड़ोसी सहायक पुलिस निरीक्षक गजेंद्र सिंह कब्जा करना चाहता था। थाना अधिकारी ने बताया कि सोमवार अपराह्न करीब चार बजे सुशील घर में सो रहा था, तभी गजेंद्र सिंह और उसके परिवार के सदस्य वहां पहुंचे।

कसाना के अनुसार गजेंद्र सिंह के परिवार के सदस्य सुशील को जबरन अपने घर ले गए तथा वहां उन्होंने सुशील पर जमीन अपने नाम करने का दबाव बनाया। आरोप है कि जब सुशील ने जमीन देने से इनकार कर दिया तो गजेंद्र ने अपने परिवार के साथ मिलकर उस पर लाठी-डंडों और लोहे की छड़ से हमला किया।

पुलिस के मुताबिक गजेंद्र के परिवार के लोग ही उसे गंभीर हालत में भरतपुर के राज बहादुर मेमोरियल अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहां से गजेंद्र और परिवार के अन्य पांच सदस्य फरार हो गए। राजेश ने बताया कि सुशील के सिर में चोट लगने से उसकी मौत हो गई। थाना अधिकारी ने बताया कि पूरे मामले की जांच की जा रही है तथा आरोपियों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

सीजीडी संस्थाएं सितंबर अंत तक 20 हजार नए डीपीएनजी कनेक्शन जारी करें : अर्पणा अरोरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। अतिरिक्त मुख्य सचिव माइंस एवं पेट्रोलियम श्रीमती अपर्णा अरोरा ने राज्य में कार्यरत सिटी गैस वितरण संस्थाओं को सितंबर अंत तक 20 हजार नए डोमेस्टिक पाइप्ड नेचुरल गैस (डीपीएनजी) कनेक्शन जारी करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने घरेलू उपभोक्ताओं के साथ ही औद्योगिक प्रतिष्ठानों, व्यावसायिक संस्थाओं और कलस्टरों को पाइपलाइन से घरेलू गैस सुविधा से जोड़ने पर खास फोकस करने के निर्देश दिए हैं। सीजीडी संस्थाएं ग्राहकोन्मुखी प्रोत्साहन योजनाएं भी चलाएं। इससे पर्यावरण संरक्षण के साथ ही स्वच्छ, सुरक्षित और हरित उर्जा को बढ़ावा दिया जा सकेगा। राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों व नियमित मोनेटरिंग का ही परिणाम है कि सीजीडी संस्थाओं द्वारा गत दो माह में 21 हजार 240 परिवारों को डीपीएनजी सुविधा से जोड़ा गया हैं वहीं दो माह में ही 240 औद्योगिक एवं व्यावसायिक संस्थाओं को प्राकृतिक गैस सेवाएं उपलब्ध कराना शुरु कर दिया है।

एसीएस माइंस एवं पेट्रोलियम श्रीमती अपर्णा अरोरा मंगलवार को सचिवालय में राज्य की सीजीडी संस्थाओं की वर्चुअल बैठक ले रही थी। उन्होंने कहा कि सीजीडी संस्थाओं के कार्यक्षेत्र में जिन इलाकों में पीएनजी आधारभूत संरचना विकसित हो गई है उन क्षेत्रों में घरेलू, औद्योगिक और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को पीएनजी कनेक्शन जारी करने के समन्वित व योजनाबद्ध प्रयास करने होंगे। उन्होंने इसके लिए अवेयरनेस कार्यक्रम चलाने, इलाकों में शिविर लगाने और क्षेत्र की ऑयल मार्केटिंग कंपनियों से समन्वय बनाते हुए कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने ऑयल मार्केटिंग कंपनियों के साथ समन्वय बनाते हुए रिटेलर्स मॉडल विकसित करने पर भी जोर दिया। श्रीमती अपर्णा अरोरा ने बताया कि एक लाख 75 हजार परिवारों को डीपीएनजी सेवाओं से जोड़ा जा चुका है वहीं 1553 औद्योगिक और व्यावसायिक पीएनजी कनेक्शन जारी किये जा चुके हैं।

दौसा बस विस्फोट मामला

न्यायालय ने फांसी की सजा रद्द कर नए सिरे से सुनवाई का दिया आदेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली/जयपुर। उच्चतम न्यायालय ने राजस्थान के दौसा जिले में बस में हुए विस्फोट के लगभग तीन दशक पुराने मामले में मंगलवार को एक दोषी को सुनाई गई फांसी की सजा रद्द कर दी और मामले की नए सिरे से सुनवाई के लिए नामित अदालत को निर्देश दिया। शीर्ष अदालत ने इस मामले में आजीवन कारावास की सजा पाए एक अन्य दोषी को बरी कर दिया और छह आरोपियों को बरी किए जाने के राजस्थान उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ राज्य सरकार की अपील भी खारिज कर दी। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने वर्ष 2019 में राजस्थान उच्च न्यायालय द्वारा सुनाए गए उस फैसले को निरस्त कर दिया, जिसमें दोषी अब्दुल हमीद की फांसी की सजा बरकरार रखी गई थी। पीठ ने कहा कि मुकदमे के दौरान उसे अपने वकील से प्रभावी कानूनी सहायता नहीं मिल सकी थी।

पीठ ने 22 मई, 1996 को आगरा से बीकानेर जा रही एक बस में हुए विस्फोट की घटना के बाद बीते लंबे समय को ध्यान में रखते हुए निर्देश दिया कि मामले की सुनवाई उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश द्वारा नामित अदालत में नए सिरे से की जाए।

शीर्ष अदालत ने कहा कि इस सुनवाई को एक वर्ष के भीतर पूरा करने का प्रयास किया जाना चाहिए। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि पेशे से चिकित्सक हमीद को अपनी पसंद का वकील रखने की अनुमति होगी और मामले की सुनवाई ऐसे वरिष्ठ न्यायाधीश करेंगे, जिन्हें सत्र न्यायालय के मुकदमों की सुनवाई का पर्याप्त अनुभव हो। पीठ ने इसके अलावा निचली अदालत से आजीवन कारावास की सजा पाए पप्पू उर्फ सलीम को बरी कर दिया और छह आरोपियों को बरी किए जाने के उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ राज्य सरकार की अपील खारिज कर दी।

राजस्थान उच्च न्यायालय ने अब्दुल हमीद को बस में बम रखने का मुख्य आरोपी मानते हुए उसकी फांसी की सजा बरकरार रखी थी। वहीं, विस्फोटक सामग्री उपलब्ध कराने का दोषी मानते हुए पप्पू उर्फ सलीम को सुनाई गई आजीवन कारावास की सजा भी कायम रखी थी। उच्चतम न्यायालय ने दो दिसंबर, 2019 को हमीद की फांसी की सजा के क्रियान्वयन पर रोक लगा दी थी।

राजस्थान उच्च न्यायालय ने 22 जुलाई, 2019 के अपने फैसले में जम्मू-कश्मीर के पांच निवासियों जावेद खान, लतीफ अहमद, मोहम्मद अली भट्ट, मिर्जा निस्सा हुसैन और अब्दुल गनी तथा आगरा के रईस बेग को बरी कर दिया था। उच्च न्यायालय ने वर्ष 2014 में बांदीकुई की अदालत द्वारा फारुख अहमद खान को बरी किए जाने के फैसले को भी बरकरार रखा था। राज्य सरकार ने खान को बरी किए जाने के खिलाफ भी अपील की थी, लेकिन उच्च न्यायालय ने उसे भी खारिज कर दिया था।

अब्दुल हमीद पर 26 जनवरी, 1996 को जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में बम रखने के मामले में भी प्रमुख आरोपी होने का आरोप है। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश के आगरा से बीकानेर जा रही बस में 22 मई, 1996 को हुए विस्फोट में 14 लोगों की मृत्यु हो गई थी।

दो सप्ताह बाद राजस्थान में फिर सक्रिय हुआ मानसून, कई जिलों में बारिश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में करीब दो सप्ताह के अंतराल के बाद दक्षिण-पश्चिम मानसून फिर से सक्रिय हो गया है। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य के पूर्वी हिस्से के कई जिलों में भारी से अत्यधिक भारी बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग ने मंगलवार को यह जानकारी दी। मौसम विभाग के अनुसार, मंगलवार सुबह तक बीते 24 घंटों में सीकर में सर्वाधिक 10 सेंटीमीटर बारिश दर्ज की गई। इसके बाद झुंझुनूं के नवलगढ़ में 9 सेंटीमीटर, बारां के शाहाबाद में 8 सेंटीमीटर तथा झुंझुनूं, धौलपुर के बाड़ी और बसेड़ी में 7-7 सेंटीमीटर वर्षा हुई।

धौलपुर, जयपुर, सीकर, झुंझुनूं और बारां जिलों के कुछ स्थानों पर भी भारी से अत्यधिक भारी बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग ने बताया कि उत्तर-पूर्वी राजस्थान और उससे सटे क्षेत्रों के ऊपर एक चक्रवाती परिसंचरण (साइक्लोनिक सर्कुलेशन) बना हुआ है, जबकि मानसून ट्रफ अपनी सामान्य स्थिति से गुजर रही है। इसके प्रभाव से अगले चार से पांच दिनों तक राज्य के अधिकतर हिस्सों में मानसूनी गतिविधियां सक्रिय रहने की संभावना है।

विभाग के अनुसार, इस दौरान पूर्वी और दक्षिण-पूर्वी राजस्थान के कुछ स्थानों पर भारी से अत्यधिक भारी बारिश हो सकती है। मंगलवार को भरतपुर, जयपुर और अजमेर संभाग के कुछ स्थानों पर मध्यम से भारी बारिश होने की संभावना है, जबकि जोधपुर, उदयपुर और बीकानेर संभाग के कुछ इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश होने का अनुमान है।

पूर्वानुमान के अनुसार, 22 से 26 जुलाई के बीच कोटा, जयपुर, भरतपुर, अजमेर, उदयपुर, जोधपुर और बीकानेर संभाग के अधिकतर क्षेत्रों में बारिश होने की संभावना है। इस दौरान कुछ स्थानों पर भारी तथा एक-दो स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा हो सकती है। इस बीच, सोमवार देर रात शुरू हुई तेज बारिश के कारण सीकर शहर में जलभराव की स्थिति बन गई।

पीडब्ल्यूसी बैठक में लगभग 219 करोड़ रुपये के विकास कार्यों को मिली स्वीकृति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विकसित राजस्थान के संकल्प तथा नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा के निर्देशन में जयपुर शहर के सुनियोजित एवं समग्र विकास को गति देने के उद्देश्य से जयपुर विकास आयुक्त सिद्धार्थ महाजन की अध्यक्षता में मंगलवार को जेडीए मुख्यालय स्थित मंथन सभागार में पीडब्ल्यूसी की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में शहर के आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ करने, यातायात व्यवस्था में सुधार, जल निकासी, सड़क निर्माण, हरित विकास, पार्क विकास एवं नागरिक सुविधाओं के विस्तार से जुड़े विभिन्न प्रस्तावों पर विचार करते हुए लगभग 219 करोड़ रुपये की विकास योजनाओं को प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई। बैठक में जोन-सी में सवाई माधोपुर रेलवे लाइन से शिप्रा पथ तक करतारपुरा नाले के पुनर्स्थापन एवं निर्माण कार्य के लिए 165.73 करोड़ रुपये की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई।

इसी प्रकार विद्याधर नगर के निकट स्वर्ण जयंती ऑक्सीजन पार्क के विकास के लिए 7.54 करोड़ रुपये की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति दी गई। साथ ही रामनिवास बाग क्षेत्र (गार्डन-1) में रॉयल हैप्पीनेस पार्क के विकास के लिए 13.25 करोड़ रुपये तथा राजस्थान उत्सव पार्क (वेस्ट-टू-वंडर) के विकास के लिए 24.55 करोड़ रुपये की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई। ये परियोजनाएं शहर में हरित क्षेत्र के विस्तार, पर्यावरण संरक्षण, पर्यटन को बढ़ावा देने तथा नागरिकों को आधुनिक एवं आकर्षक सार्वजनिक मनोरंजन स्थल उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

बैठक में जोन-10 अंतर्गत ग्राम सायपुरा, गुवाड़ी तथा पालेड़ा मोड़ से बालकृष्णपुरा तक सड़क नवीनीकरण कार्यों के लिए 3.95 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त जोन-7 में अजमेर पुलिया से पुरानी चुंगी (मजार) तक एलिवेटेड रोड के नवीनीकरण के लिए संशोधित प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति 4.20 करोड़ रुपये की प्रदान की गई। बैठक में विभिन्न विकास कार्यों के प्रस्तावों पर विस्तृत चर्चा करते हुए समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही सभी स्वीकृत परियोजनाओं को निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करने तथा निर्माण गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए गए। बैठक में सचिव डॉ. गौरव सैनी, निदेशक अभियांत्रिकी संजीव जैन , निदेशक वित्त सुरेश वर्मा सहित जेडीए के वरिष्ठ अधिकारी एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

एक-दूसरे को बचाने की कोशिश में दो भाइयों की डूबने से मौत

जयपुर। राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले में मंगलवार को एक कृत्रिम जलाशय (डिग्गी) में दो सगे भाइयों की डूबने से मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, यह घटना सुबह रायसिंहनगर क्षेत्र के 56 एनपी गांव में हुई, जहां दोनों भाई खेत में काम कर रहे थे। पुलिस ने बताया कि पाइप ठीक करते समय 20 वर्षीय राजदीप सिंह का पैर फिसल गया और वह पानी से भरी डिग्गी में गिर गया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया, छोटे भाई राजदीप के डिग्गी में गिरते ही बड़ा भाई 24 वर्षीय गुरजीत सिंह उसे बचाने के लिए तुरंत पानी में कूद गया, लेकिन गहरे पानी में दोनों डूब गए।

देवनानी ने लोगों को साइबर फ्रॉड से जागरूक करने का दिया सुझाव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी से मंगलवार को विधानसभा में भारतीय स्टेट बैंक जयपुर सर्किल के मुख्य महाप्रबंधक ओंकार नाथ चौधरी ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर चौधरी ने विधानसभा अध्यक्ष देवनानी का पुष्प गुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया। स्पीकर देवनानी ने चौधरी को विधानसभा के लोगो की प्रतिकृति और डायरी भेंट की।

देवनानी ने चौधरी को साइबर क्राइम से बैंक खातेदारों की सुरक्षा के लिए राज्य में जागरूकता शिविर लगाये जाने का सुझाव दिया। स्पीकर देवनानी ने साइबर क्राइम के बढ़ते मामलों को देखते हुए आम नागरिकों को जागरूक करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने

कहा कि आधुनिक डिजिटल युग में साइबर सुरक्षा अत्यंत आवश्यक है। इसके लिए व्यापक स्तर पर जागरूकता अभियान चलाना आवश्यक है। देवनानी को चौधरी ने बैंक की ओर से किए जा रहे प्रयासों और योजनाओं की जानकारी दी। एसबीआई बैंक अपने ग्राहकों को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक बनाने के लिए विभिन्न कार्यक्रम और सुविधा प्रदान कर रहा है। इस मौके पर बैंक के सहायक महाप्रबंधक (जनसम्पर्क) संजय शर्मा भी मौजूद थे।

'जीरो टाइम लैग' के लक्ष्य के साथ काम करें बैंक : मुख्य सचिव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्य में साइबर सुरक्षा तंत्र को और सुदृढ़ बनाने तथा आमजन के धन की सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में मंगलवार को शासन सचिवालय में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (एसएलबीसी) की विशेष साइबर समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा तथा राजस्थान पुलिस एवं प्रमुख बैंकों के अधिकारियों ने भाग लेकर साइबर वित्तीय धोखाधड़ी की रोकथाम हेतु ठोस एवं परिणाम-मूलक रणनीति तय की।

मुख्य सचिव ने कहा कि बैंकों को 'जीरो टाइम लैग' का लक्ष्य लेकर कार्य करना होगा। हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत मिलते ही बैंकों की प्रतिक्रिया तीव्र होनी चाहिए तथा नागरिक की शिकायत और खाता होल्ड की कार्रवाई के बीच समय-अंतराल नहीं रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान में दस में से मात्र एक मामले में ही बैंकों की त्वरित प्रतिक्रिया से राशि रुक पाना गंभीर विषय है।

उन्होंने निर्देश दिए कि सभी बैंक अधिकारी स्वयं 1930 कॉल सेंटर का दौरा कर नागरिकों की समस्याओं को नजदीक से समझें और पुलिस के साथ हैंड्स-ऑन समन्वय स्थापित करें। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सामूहिक एवं समयबद्ध प्रयासों से साइबर अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण संभव होगा और प्रदेश डिजिटल सुरक्षा के क्षेत्र में एक मॉडल राज्य के रूप में उभरेगा।

पुलिस महानिदेशक ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा साइबर सुरक्षा एवं म्यूल अकाउंट्स की रोकथाम हेतु समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों का जमीनी स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि राज्य में संचालित संदिग्ध खातों और हॉटस्पॉट बैंक शाखाओं का एक केंद्रीकृत डेटाबेस तैयार किया जाए। उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर नियमित समन्वय बैठकों से बैंक अधिकारियों और साइबर पुलिस के बीच बेहतर जवाबदेही और तालमेल सुनिश्चित होगा, जिसका सीधा लाभ आमजन को मिलेगा। उन्होंने कहा कि साइबर अपराधों एवं अपराधियों के प्रति राज्य सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति, आर4सी के प्रभावी क्रियान्वयन तथा जन-जागरूकता के लिए राजस्थान पुलिस पूरी तरह प्रतिबद्ध है, ताकि आमजन को साइबर अपराधों की गिरफ्त में आने से बचाया जा सके।

बैठक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मानव संसाधन प्रबंधन विभाग की योजनाओं और गतिविधियों की समीक्षा बैठक मंगलवार को चेन्नई स्थित सचिवालय में मुख्यमंत्री एस. जोसेफ विजय की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में मानव संसाधन प्रबंधन मंत्री टी. सथकुमार, वित्त, योजना एवं विकास मंत्री एन. मारिया विल्सन, मुख्य सचिव डॉ. एम. साईकुमार, अतिरिक्त मुख्य सचिव (वित्त), एम. असिथिल, मानव संसाधन प्रबंधन के प्रधान सचिव सी. समयमूर्ति और विभिन्न विभागों के प्रमुख उपस्थित थे।

माकपा ने लगाया पलानी मंदिर भूमि पंजीकरण घोटाले में गहरी साजिश का आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। माकपा की तमिलनाडु इकाई के सचिव पी. षणमुगम ने मंगलवार को पलानी स्थित प्राचीन श्री दंडायुधपाणि स्वामी मंदिर की 1.4 एकड़ भूमि के कथित फर्जी पंजीकरण मामले में ''गहरी साजिश'' का आरोप लगाया और दोषियों को कानून के दायरे में लाने के लिए निष्पक्ष जांच की मांग की। षणमुगम ने आरोप लगाया कि करीब 100 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्ति का पंजीकरण मात्र दो करोड़ रुपये में कराने में ''ऊपर से नीचे तक'' कुछ अधिकारी शामिल थे। उन्होंने कहा कि इसमें शामिल सभी लोगों के खिलाफ, चाहे वे कितने भी प्रभावशाली क्यों न हों, कार्रवाई होनी चाहिए।

उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि इस मामले की अपराध शाखा-सीआईडी (सीबी-सीआईडी) द्वारा निष्पक्ष जांच कराई जानी चाहिए। षणमुगम ने कहा कि मंदिर भूमि घोटाले की जांच ईमानदारी और पूरी गंभीरता से की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि इस मामले में अब तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है, हालांकि सीबी-सीआईडी ने राज्य में कई स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया है। गिरफ्तारी की आशंका के मद्देनजर एक उप-पंजीयक (सब-रजिस्ट्रार) ने मद्रास उच्च न्यायालय की मदुरै पीठ से अंतरिम जमानत हासिल कर ली है। अदालत ने चार अगस्त तक उसकी गिरफ्तारी पर रोक लगाई है, बशर्ते वह जांच अधिकारियों के साथ सहयोग करे।

पुलिस ने इस मामले में मुरुगादास तथा खरीदारों सेतुपति और वेल्लाथुरई को भी आरोपी बनाया है। तूतीकोरिन जिले में द्रमुक विधायक जी. वी. मार्कंडेयन की सोमवार को हुई गिरफ्तारी के बारे में पूछे जाने पर षणमुगम ने कहा कि उन्हें इस मामले के तथ्यों की जानकारी नहीं है, इसलिए वह इस विवाद पर कोई टिप्पणी नहीं करेंगे।

टीवीएस मोटर का पहली तिमाही में शुद्ध लाभ 65 प्रतिशत बढ़कर 1,057.61 करोड़ रुपये

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली/भाषा। टीवीएस मोटर कंपनी लिमिटेड का चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 65 प्रतिशत बढ़कर 1,057.61 करोड़ रुपये हो गया।

वित्त वर्ष 2025-26 की पहली (अप्रैल-जून) तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध लाभ 642.86 करोड़ रुपये रहा था। मोटर वाहन कंपनी ने मंगलवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में उसकी परिचालन आय बढ़कर 16,295.52 करोड़ रुपये हो गई जो एक वर्ष पहले की समान अवधि में 12,210.05 करोड़ रुपये थी। समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी का कुल खर्च सालाना आधार पर 11,261.60 करोड़ रुपये से बढ़कर 14,894.22 करोड़ रुपये हो गया।

टीवीएस मोटर के अनुसार, पहली तिमाही में उसने अब तक की सर्वाधिक तिमाही बिक्री दर्ज की। इस दौरान दोपहिया और तिपहिया वाहनों की कुल बिक्री 28 प्रतिशत बढ़कर 16.3 लाख इकाई हो गई जो एक वर्ष पहले की समान अवधि में 12.8 लाख इकाई थी। समीक्षाधीन तिमाही में मोटरसाइकिल की बिक्री 19 प्रतिशत बढ़कर 7.4 लाख इकाई रही जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 6.2 लाख इकाई थी।

स्कूटर की बिक्री पांच लाख इकाई से सालाना आधार पर 36 प्रतिशत बढ़कर 6.8 लाख इकाई हो गई। अंतरराष्ट्रीय कारोबार 33 प्रतिशत बढ़कर 4.7 लाख इकाई पर पहुंच गया जबकि पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही में यह 3.5 लाख इकाई था। कंपनी ने कहा कि 2026-27 की पहली तिमाही में उसके इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की बिक्री 86 प्रतिशत बढ़कर 1,29,940 इकाई हो गई, जो एक वर्ष पहले की समान अवधि में 70,060 इकाई थी। कंपनी के अब 10 लाख से अधिक इलेक्ट्रिक वाहन ग्राहक हैं।

समीक्षाधीन तिमाही में तिपहिया वाहनों की बिक्री 48 प्रतिशत बढ़कर 66,697 इकाई हो गई जबकि एक वर्ष पहले की समान अवधि में यह 44,978 इकाई थी। कंपनी ने बयान में कहा कि पहली तिमाही में वैश्विक अनिश्चितताओं के कारण जिंस कीमतों में तेज वृद्धि का रुख रहा जिससे कच्चे माल आदि की लागत बढ़ी। हालांकि, कीमतों में आंशिक समायोजन तथा लागत अनुकूलन की पहल के जरिये इस बढ़ी हुई लागत के असर को कुछ हद तक कम किया गया।

'जन नायकन' के नए प्रचार पोस्टर जारी, 23 जुलाई को होगी रिलीज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। केवीएन प्रोडक्शंस ने मंगलवार को फिल्म 'जन नायकन' का नया प्रचार पोस्टर जारी किया। इस फिल्म को तमिलनाडु के वर्तमान मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय की अभिनेता के रूप में अंतिम फिल्म बताया जा रहा है। निर्माण कंपनी ने फिल्म की रिलीज से दो दिन पहले नया पोस्टर जारी करते हुए कहा कि दर्शकों को इस बहुप्रतीक्षित एक्शन फिल्म के बड़े पर्दे पर आने का अब केवल दो दिन इंतजार करना है। यह फिल्म 23 जुलाई को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

नए पोस्टर में विजय कंधे पर बंदूक रखे नजर आ रहे हैं। एच. विनोद के निर्देशन में बनी इस फिल्म का संगीत अनिरुद्ध रविचंदर ने दिया है। फिल्म में बॉबी देओल, पूजा हेगड़े, ममिता बैजू और प्रकाश राज भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। इसका निर्माण वेंकट के. नारायण ने केवीएन प्रोडक्शंस के बैनर तले किया है।

फिल्म के आधिकारिक शीर्षक में मुख्य अभिनेता का परिचय तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ ''विजय'' के रूप में दिया गया है। केवीएन प्रोडक्शंस ने सोशल मीडिया मंच एक्स' पर पोस्टर साझा करते हुए लिखा, ''दो दिन में टीवीके का दबदबा। थलपति वेत्री कोंडन आ रहे हैं।'' फिल्म में विजय थलपति वेत्री 'कोंडन' नामक एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी की भूमिका निभा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि टीवीके' तमिलगा वेत्री कषगम का भी संक्षिप्त नाम है, जिसकी स्थापना विजय ने दो वर्ष पहले की थी और जिस पार्टी की इस समय राज्य में सरकार है। निर्देशक एच. विनोद के अनुसार, फिल्म केवल प्रशंसकों को आकर्षित करने के बजाय लोकतांत्रिक मूल्यों की लड़ाई पर केंद्रित है। उन्होंने फिल्म के अंतिम दृश्य को मुख्यमंत्री विजय की पहली फिल्म का भावनात्मक और ''ऐतिहासिक क्षण'' बताया।

श्रद्धालुओं की शिकायतों के बाद मंत्री ने वडापलानी के अंदावर मंदिर का किया निरीक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के हिंदू धार्मिक एवं धर्मार्थ बंदोबस्ती (एचआर एंड सीई) मंत्री एस. रमेश ने मंगलवार को यहां स्थित प्रसिद्ध वडापलानी अंदावर मंदिर का निरीक्षण किया।

श्रद्धालुओं ने दर्शन में हो रही कठिनाइयों और फेरीवालों द्वारा पैदल मार्गों पर कथित अतिक्रमण किए जाने की शिकायत की थी। मंदिर में मौजूद कुछ श्रद्धालुओं ने मंत्री से मुलाकात कर आरोप लगाया कि उन्हें गर्भगृह तक जाने से रोका जा रहा है और मुख्य प्रवेश द्वार से करीब 20 फुट पहले बैरिकेड लगा दिए गए हैं।

हिंदू धार्मिक एवं धर्मार्थ बंदोबस्ती मंत्री रमेश ने श्रद्धालुओं की आवाजाही को बेहतर ढंग से प्रबंधित करने की व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने नि:शुल्क दर्शन करने वालों के लिए अलग प्रतीक्षा क्षेत्र बनाने तथा श्रद्धालुओं के लिए सुगम मार्ग सुनिश्चित करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा बेहोशी या अत्यधिक भीड़ जैसी आपात स्थितियों से बचने के लिए कुछ प्रतिबंध आवश्यक हैं।

नाबार्ड तमिलनाडु ने मनाया स्थापना दिवस 73,000 करोड़ के कर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के तमिलनाडु क्षेत्रीय कार्यालय ने यहां एक होटल में अपना 45वां स्थापना दिवस मनाया। इस कार्यक्रम में तमिलनाडु के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री आर. विनोद मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उनके साथ आरबीआई, इंडियन बैंक और राज्य सरकार के कई वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक एच. मनोज ने बताया कि साल 2025-26 के दौरान कृषि, मत्स्य पालन, ग्रामीण बुनियादी ढांचे और स्वयं सहायता समूहों के लिए 73,000 करोड़ रुपये से अधिक का ऋण दिया गया। इस मौके पर किसानों को कर्ज देने के मार्गदर्शन के लिए एक इकाई लागत पुस्तिका (2026-27) और वार्षिक प्रदर्शन पुस्तिका (2025-26) का विमोचन किया गया। नागपट्टिनम और मयिलादुथुराई में मत्स्य विकास पर बनी एक वीडियो डॉक्यूमेंट्री भी दिखाई गई। ग्रामीण विकास, जलसंभर प्रबंधन और कृषि स्टार्टअप्स में बेहतरीन काम करने वाली महिला ऋझजी, संस्थाओं और बैंकों को सम्मानित किया गया। आरबीआई और इंडियन बैंक के अधिकारियों ने नाबार्ड द्वारा स्वयं सहायता समूहों के जरिए करीब 40 करोड़ लोगों के जीवन में सुधार लाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के प्रयासों की तारीफ की।

बेंगलूरु में बिजली आपूर्ति बाधित होने से ग्रीन लाइन मेट्रो सेवाएं थेड़ी देर प्रभावित रहीं

बेंगलूरु। बेंगलूरु में बिजली आपूर्ति बाधित होने के कारण मंगलवार सुबह ग्रीन लाइन पर मेट्रो सेवाएं थोड़ी देर के लिए प्रभावित हुईं। इस दौरान सिल्क इंस्टीट्यूट और यशवंतपुर स्टेशनों के बीच छोटे मार्ग पर ट्रेनों का संचालन किया गया, जिसके बाद सेवाएं बहाल कर दी गईं। अधिकारियों ने बताया कि मेट्रो संचालन में आए व्यवधान के बाद यशवंतपुर और मडावरा के बीच मेट्रो सेवाएं थोड़ी देर के लिए निलंबित कर दी गई थीं। उन्होंने बताया कि नम्मा मेट्रो की ग्रीन लाइन उत्तर-पश्चिम में मडावरा से दक्षिण में सिल्क इंस्टीट्यूट तक संचालित होती है। बेंगलूरु मेट्रो रेल निगम लि. ने बयान में कहा, ''बिजली आपूर्ति बाधित होने के कारण आज सुबह 8 बजे से ग्रीन लाइन मेट्रो सेवाओं का संचालन सिल्क इंस्टीट्यूट और यशवंतपुर स्टेशनों के बीच छोटे मार्ग पर किया जा रहा था।''

विदाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु में मंगलवार को विधान सौधा की पहली मंज़िल पर बने कमिटी रूम में, विधान परिषद के स्पीकर बसवराज होरट्टी की मौजूदगी में उन विधायकों के लिए विदाई समारोह आयोजित किया गया, जिनकी परिषदन में नामित सदस्य के तौर पर सदस्यता की अवधि खत्म हो गई थी। विदाई समारोह में, स्पीकर बसवराज होरट्टी ने उन विधायकों को उन्हें यादगार स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। इस मौके पर निर्वतमान नामित सदस्य अदागुर एच. विश्वनाथ, भारती शेट्टी, शांताराम बुदना सिद्दी, डॉ. तलवार सबन्ना और रमेश बाबू आदि का सम्मान किया गया।

एर्नाकुलम के लिए स्पेशल एक्सप्रेस ट्रेनें

बेंगलूरु। दक्षिण पश्चिम रेलवे से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार आने वाले ओणम त्योहार के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए, दक्षिण रेलवे ने एर्नाकुलम और सर एम. विश्वेश्वरैया टर्मिनल (एसएमवीटी) बेंगलूरु के बीच दोनों दिशाओं में पांच-पांच फेरों के लिए स्पेशल साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेनें चलाने की घोषणा की है। ट्रेन नंबर 06147 एर्नाकुलम-एसएमवीटी बेंगलूरु साप्ताहिक एक्सप्रेस स्पेशल, 9 अगस्त से 6 सितम्बर तक हर रविवार को रात 23:10 बजे एर्नाकुलम से रवाना होगी और अगले दिन दोपहर 12:45 बजे एसएमवीटी बेंगलूरु पहुंचेगी। वापसी की दिशा में, ट्रेन नंबर 06148 एसएमवीटी बेंगलूरु-एर्नाकुलम साप्ताहिक एक्सप्रेस स्पेशल, 10 अगस्त से 7 सितम्बर तक हर सोमवार को शाम 16:00 बजे एसएमवीटी बेंगलूरु से रवाना होगी और अगले दिन सुबह 05:45 बजे एर्नाकुलम पहुंचेगी।

बधाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

नई दिल्ली में मंगलवार को कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष एवं राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे को उनके आवास पर जन्म दिन की शुभकामनाएं देने पहुंचे कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार।

शिवकुमार व सिद्दरामय्या कैबिनेट विस्तार पर बातचीत के लिए दिल्ली में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और पूर्व मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी पहुंचे। उम्मीद है कि वे कांग्रेस के शीर्ष नेताओं से मिलकर राज्य कैबिनेट के विस्तार के लिए आखिरी दौर की बातचीत करेंगे। कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बीके हरिप्रसाद भी एक विशेष उड़ान से इन दोनों नेताओं के साथ आए हैं। ये तीनों नेता अभी यहां कर्नाटक भवन में ठहरे हैं।

पिछले हफ्ते, तीनों नेताओं ने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के साथ शुरुआती बातचीत की थी, लेकिन उम्मीदवारों की सूची को अंतिम रूप नहीं दिया जा सका था क्योंकि पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को किसी ज़रूरी काम से बेंगलूरु जाना पड़ा था।

सूत्रों ने बताया कि मंगलवार की बैठक में खरगे राज्य इकाई द्वारा पेश की गई संभावित उम्मीदवारों की सूची का जायजा लेंगे। कर्नाटक के लिए कांग्रेस प्रभारी रणदीप सुरजेवाला ने पिछली बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा था, बातचीत अभी शुरू हुई है। यह शुरुआती बातचीत है, और बहुत जल्द कर्नाटक कैबिनेट का विस्तार होगा।

उन्होंने कहा कि कर्नाटक कैबिनेट में विधानसभाध्यक्ष के अलावा 20 पद खाली हैं और कोशिश उन सभी पदों को भरने की होगी। सूत्रों ने बताया कि बातचीत में विधानसभाध्यक्ष का खाली पद भरने पर भी चर्चा होगी, क्योंकि पूर्व विधानसभाध्यक्ष यूटी खादर ने स्वास्थ्य मंत्री का पद संभाल लिया है। विधान परिषद के उप-सभापति का पद भी खाली है।

कर्नाटक मंत्रिमंडल विस्तार में अधिक युवा चेहरों को शामिल किए जाने की संभावना : परमेश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री जी. परमेश्वर ने संकेत दिया कि कर्नाटक मंत्रिमंडल का बहुप्रतीक्षित विस्तार कांग्रेस आलाकमान द्वारा प्रस्तावित नामों की सूची को मंजूरी देने के बाद होगा और इसमें युवा चेहरों को प्राथमिकता दी जा सकती है। वरिष्ठ नेता ने कहा कि पार्टी नेतृत्व के साथ चर्चा के दौरान कई पहलुओं पर विचार किया जा रहा है, जिसमें नए और युवा चेहरों को मौका देना भी शामिल है।

मंत्रिमंडल के जल्द विस्तार की अटकलों के बीच मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, पूर्व मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और कांग्रेस की कर्नाटक इकाई के प्रमुख बी.के. हरिप्रसाद कांग्रेस आलाकमान से चर्चा के लिए दिल्ली में हैं।

परमेश्वर ने बेंगलूरु में पत्रकारों से कहा, ''वे (मुख्यमंत्री, सिद्दरामय्या और हरिप्रसाद) दिल्ली गए हैं; अगर आलाकमान चर्चा के बाद मंजूरी देता है, तो मंत्रिमंडल का विस्तार किया जाएगा।'' यह पूछे जाने पर कि क्या अगले महीने की शुरुआत में होने वाले विधानसभा सत्र से पहले मंत्रिमंडल का विस्तार होगा, इस पर उन्होंने कहा कि चर्चा के बाद अगर आलाकमान इजाजत देता है, तो यह प्रक्रिया तुरंत पूरी कर ली जाएगी।

उन्होंने कहा, ''अगर आलाकमान ने मंजूरी दे दी, तो राज्यपाल को सूचित किया जाएगा और उनकी उपलब्धता के आधार पर (नए मंत्रियों के शपथ ग्रहण के लिए) उनसे समय देने का अनुरोध किया जाएगा।'' वरिष्ठ नेताओं की जगह नए चेहरों को मौका देने के संबंध में आलाकमान के विचार करने के सवाल पर उपमुख्यमंत्री ने कहा कि ''उन्हें पता चला है कि कुछ ''मानदंडों'' पर चर्चा हो रही है और उनमें युवाओं को अधिक प्रतिनिधित्व देना भी शामिल है। उन्होंने कहा, वे इस पर विचार कर सकते हैं।'' यह पूछे जाने पर कि क्या यह विस्तार 2028 के विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखकर किया जा रहा है, इस पर उन्होंने कहा, ''जिन मानदंडों पर विचार किया जा रहा है, मुझे उन मानदंडों के बारे में सीधे तौर पर जानकारी नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि चर्चा के दौरान इन सभी मानदंडों पर विचार किया जाएगा, क्योंकि जब मैं पार्टी अध्यक्ष था, तो आला कमान हमसे नए नेतृत्व तैयार करने के लिए कहता था। मुझे लगता है कि अब भी वही बात लागू होगी।''

मंत्रिमंडल में शामिल होने के इच्छुक मंत्री पद के दावेदारों में वरिष्ठ एवं युवा विधायक दोनों शामिल हैं, जिनकी ओर से जबरदस्त लामबंदी हो रही है। सिद्दरामय्या के 28 मई को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद तीन जून को शिवकुमार ने 13 मंत्रियों के साथ मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। कर्नाटक मंत्रिमंडल में मंत्रियों की स्वीकृत क्षमता मुख्यमंत्री समेत कुल 34 है, जिनमें से 20 पद अब भी खाली हैं और शिवकुमार पर अपने मंत्रिमंडल का विस्तार करने का दबाव बढ़ रहा है।

पार्टी सूत्रों के अनुसार, मंत्री बनने के कई दावेदारों और सीमित पदों के कारण डी.के. शिवकुमार के सामने संतुलन बनाए रखने की चुनौती है। मंत्रिमंडल में जगह नहीं मिलने वाले नेताओं में बड़े पैमाने पर असंतोष पैदा होने की आशंका है।

सुविचार

हर नया दिन एक नया अवसर है। बीती बातों से सीखें, लेकिन उनमें उलझें नहीं। आगे बढ़ते रहें, भविष्य आपका इंतजार कर रहा है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

यह कैसा छात्र आंदोलन?

नीट पेपरलीक के विरोध में राष्ट्रीय राजधानी में शुरू किए गए कथित छात्र आंदोलन की परतें खुलने लगी हैं। यह चंद मौकापरस्त लोगों का जमघट है, जिसके पीछे गहरी साजिश का शक होता है। ये लोग देश के युवाओं को भड़का कर अपना स्वार्थ सिद्ध करना चाहते हैं। 'कॉकरोच जनता पार्टी' के नाम से ही स्पष्ट है कि इसका छात्रहित से कोई लेना-देना नहीं है। ये लोग उपद्रव मचाना चाहते हैं। ये अराजकता फैलाकर पूरी व्यवस्था को तहस-नहस करना चाहते हैं। सोनम वांगचुक लद्दाख में पर्यावरण बचाते-बचाते किन चक्करों में पड़ गए? उन्हें भूख हड़ताल के झमेले में फंसाकर बाकी लोग आराम से पिज्ज़ा-बर्गर की दावत उड़ा रहे थे। यह कैसा आंदोलन है? इन हुड़दंगियों का छात्र आंदोलन से उतना ही संबंध है, जितना तीन कृषि कानूनों के खिलाफ कथित किसान आंदोलन का किसानों से संबंध था। उसमें किसानों के वेश में आए कई उपद्रवियों ने भारी बवाल मचाया था। वे शुरू से ही यह मंशा लेकर आए थे। वे दिल्ली को बंधक बनाना चाहते थे। उन्हें केंद्र सरकार के खिलाफ कोई मुद्दा मिल नहीं रहा था। चूंकि किसानों से लोगों को हमदर्दी होती है, इसलिए मौका देखकर किसान का वेश धारण किया और अपना असली रंग दिखाया था। अब दिल्ली में छात्र आंदोलन के नाम पर यही हो रहा है। बस वेश का फर्क है। इसमें ऐसे कई लोग शामिल हैं, जिन्हें नीट का मतलब भी मालूम नहीं है। पहले, उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा मांगा था। उसके बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का इस्तीफा मांगने लगे। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का इस्तीफा मांग रहे हैं। इनकी मांगों की सूची हर दिन बढ़ती जा रही है।

ये संसद भवन में घुसकर अव्यवस्था और अभद्रता का तांडव करना चाहते हैं। कोई 'तिलक, तराजू और तलवार ...' जैसे नारे लगाकर नकली क्रांतिवीर बन रहा है, तो कोई भगवान श्रीराम और मां सीता का मजाक उड़ाकर पाखंडी बुद्धिजीवी बन रहा है। एक महिला ने गर्व से सांप्रदायिक नारा दोहराकर खुद ही इस मज्मे की पोल खोल दी। दरअसल यह तमाशबीनों का जमावड़ा है, जिसमें नीट के मुद्दे के अलावा वे सारे मुद्दे उठाए जा रहे हैं, जिन्हें देश की जनता पहले ही नकार चुकी है। एक और सवाल यह है कि अहिंसक आंदोलन के दावे के बावजूद इनके पास इतने पत्थर कहां से आए? आंदोलन में शामिल कई लोग खुलकर कह रहे हैं कि हम भारत के हालात नेपाल जैसे बना देंगे। ये दिल्ली को ढाका और काठमांडू बनाना चाहते हैं। ये इसके लिए पूरी आज़ादी चाहते हैं। इसका क्या मतलब है? साफ क्यों नहीं कहते कि छात्र आंदोलन एक बहाना है, असल मकसद तो संसद भवन को कब्जाना है? ये हाथ में महात्मा गांधी और भगत सिंह के चित्र लेकर चल रहे हैं। महापुरुषों के चित्र के साथ उनके चरित्र से भी कुछ सीखें। उन्होंने अपने देश में हाहाकार मचाने, हिंसा के लिए जनता को भड़काने और भगवान के अवतारों का मजाक उड़ाने के लिए नहीं कहा था। उपद्रवियों की हरकतों से साफ पता चलता है कि इनमें से ज्यादातर लोग देशविरोधी मानसिकता के साथ इकट्ठे हुए हैं। ये कई वर्षों से तोड़फोड़ करने का बहाना ढूंढ़ रहे थे, जो अब मिला है, लेकिन ये अपनी पुरानी आदतों से पीछा नहीं छुड़ा सके, इसलिए पहले ही दिन बेनकाब हो गए। कांग्रेस समेत विपक्ष के कई नेता पुलिस द्वारा इन्हें रोके जाने और कार्रवाई करने को लोकतंत्र एवं संविधान की हत्या और घोर क्रूरता बता रहे हैं। याद करें, जून 2011 में जब स्वामी रामदेव ने काला धन और भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाते हुए अनशन किया था, तब पुलिस ने किसके आदेश पर लाठियां बरसाई थीं? तब केंद्र में किसकी सरकार थी, गृह मंत्री कौन था? इस बार पुलिस ने बहुत संयम से काम लिया है। उसने सोनम वांगचुक को सम्मानपूर्वक अस्पताल पहुंचाया। और वह भी न्यायालय के निर्देशों के अनुसार। अगर न पहुंचाती तो उनका जीवन गंभीर संकट में पड़ता। 'कॉकरोच जनता पार्टी' वाले बर्गरवीर उस मौके को भुनाने में भी कोई कसर नहीं छोड़ते।

ट्वीटर टॉक

हम कल युवा छात्रों के साथ हुई क्रूरता के लिए मोदी से जवाब मांगने के लिए उनके घर तक मार्च कर रहे हैं। सरकार कोई जवाबदेही नहीं लेना चाहती या संसद में इस पर बहस नहीं चाहती।ङ्कङ्कभारत के युवाओं का भविष्य बर्बाद करने के लिए झच और क्च को इस्तीफा दे देना चाहिए।

-राहुल गांधी

आज, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (एक्ट के तहत हुई राज्य लेवल विजिलेंस और मॉनिटरिंग कमेटी की मीटिंग में एक्ट को अच्छे से लागू करने, पेंडिंग केस की स्थिति और पीड़ितों को समय पर न्याय, राहत और पुनर्वास देने में हुई प्रोग्रेस का रिव्यू किया गया।

-भजनलाल शर्मा

धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफ़ा दे देना चाहिए। आज खरगे, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी समेत कई चझ छात्रों के समर्थन में प्रधानमंत्री आवास के बाहर धरने पर बैठे हैं।कल छात्रों के प्रदर्शन के दौरान उन पर हुए देशव्यापी लाठीचार्ज की पूरे देश में कड़ी निंदा हो रही है।

-सचिन पायलट

प्रेरक प्रसंग

कला और सम्मान

एक गुलाबजान, नौटंकी की ख्यातनामा नृत्यांगना थी। एक बार कार्तिक के दिनों लगने वाले देवी शरफी के मेले में उनकी नौटंकी का तमाशा हो रहा था। संयोग से उसी मेले में एक संगीत-सम्मेलन का भी आयोजन किया गया था। उस सभा में स्वर्गीय तबलानवाज पद्मविभूषण उस्ताद अहमद जान थिरकवा भी तबलावादन के लिए पधारे थे। अहमद साहिब ने देखा कि आम जनता संगीत-सम्मेलन के बजाय नौटंकी के मनोरंजक दृश्य की ओर ज्यादा रुचि ले रही है। उनके मन में जिज्ञासा जगी और वह यह देखने जमघट में चले गये कि आखिर नौटंकी में ऐसी कौन-सी विशेषता है? नौटंकी में गुलाबजान की नृत्य-कला चरमोत्कर्ष पर थी। थिरकवा साहब उनकी प्रस्तुति पर मुग्ध हो गये। उन्होंने उसी समय जेब से सौ रुपये का नोट निकालकर सस्नेह गुलाबजान को भेंट किया। जब गुलाबजान को पता चला कि यह भेंट देश के प्रख्यात तबलावादक की ओर से मिली है, तो वे आनंद से गदगद हो गयीं। उन्होंने तुरंत अपने पल्ले से सौ रुपये का एक नोट निकाला और थिरकवा साहब के सौ रुपयों में अपनी ओर से सौ रुपये मिलाकर दो सौ रुपये उन्हें श्रद्धापूर्वक भेंट कर दिये।

सामयिक

तिरंगे की शान, भारत की पहचान

श्वेता गोयल
मोबाइल : 9034304041

आजादी के लिए संघर्षरत श्यामलाल गुप्त 'पार्षद' ने झंडा गीत 'विजयी विश्व तिरंगा प्यारा, झंडा ऊंचा रहे हमारा'' की रचना की और महात्मा गांधी ने उस गीत के दूसरे और तीसरे भाग को हटाकर उसे ज्यों का त्यों स्वीकार कर लिया। वह गीत पहली बार कानपुर में 1925 में कांग्रेस सम्मेलन में सामूहिक रूप से गाया गया।

विश्व में प्रत्येक राष्ट्र का अपना-अपना राष्ट्रीय ध्वज है। राष्ट्रीय ध्वज ही उसकी मर्यादा और अस्मिता से जुड़ा होता है लेकिन इस मायने में हमारा राष्ट्र ध्वज तिरंगा' अन्य राष्ट्र ध्वजों के मुकाबले अनेक विशेषताएं धारण किए हुए है। चूंकि अंग्रेजों से भारत की मिली आजादी के चंद दिन पहले ही 22 जुलाई 1947 को संविधान सभा ने वर्तमान भारतीय तिरंगे को देश के आधिकारिक ध्वज के रूप में अपनाया था, इसीलिए भारत में प्रतिवर्ष 22 जुलाई को राष्ट्रीय ध्वज दिवस' मनाया जाता है। आधिकारिक रूप में तिरंगे को अपनाने के बाद से यह देश की एकता, साहस, और आकांक्षाओं का प्रतीक बन गया। राष्ट्रीय ध्वज दिवस भारत की सम्प्रभु राष्ट्र बनने की यात्रा का स्मरण कराता है। तिरंगा भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, स्वतंत्रता के लिए इसके कठिन संघर्ष और एकजुट एवं समृद्ध राष्ट्र के लिए अपने लोगों की आकांक्षाओं का प्रतीक है। हमारा राष्ट्र ध्वज न केवल राष्ट्र की एकता, अखंडता, गरिमा, गौरव, शक्ति, आदर्श और आकांक्षाओं का प्रतीक है बल्कि समूचे विश्व को त्याग की भावना एवं शाति का संदेश भी देता है। यह हमारी स्वतंत्रता का भी प्रतीक है क्योंकि आजादी की लड़ाई में क्रांतिकारियों को एकजुट करने में इसकी बहुत अहम भूमिका रही। तिरंगे ने ही भारतवासियों को एकता और भाईचारे का संदेश देकर उन्हें एक सूत्र में पिरोकर अंग्रेजों से लोहा लेने को प्रेरित किया था। तब क्रांतिकारियों के लिए राष्ट्र ध्वज का सम्मान अपने प्राणों से भी बढ़कर होता था, इसीलिए अंग्रेजों की लाठियां व गोलियां खाते हुए भी उन्होंने इसे कभी झुकने नहीं दिया।

तीन रंगों की पट्टियों वाले राष्ट्रीय ध्वज की सबसे ऊपर की केसरिया रंग की पट्टी त्याग, बल और पौरूष की प्रतीक है जबकि बीच वाली सफेद पट्टी शांति और सत्य की प्रतीक है और सबसे नीचे की हरे रंग की पट्टी हरियाली, समृद्धि एवं सम्पन्नता की प्रतीक है। झंडे के बीचों-बीच सफेद पट्टी में स्थित गहरे नीले रंग का अशोक चक्र आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। 24 तीलियों वाला अशोक चक्र देश की प्रगति, राष्ट्र के कानून और धर्म के पहिये का प्रतीक है। डा. सर्वपल्ली राधकृष्णन के शब्दों में कहें तो जो लोग इस ध्वज के नीचे कार्य करेंगे, उन्हें सत्य और सदाचार के सिद्धांतों का पालन करना होगा। राष्ट्र ध्वज के नीचे कार्य करने वालों से उनका तात्पर्य सरकारों और नौकरशाहों से था। राष्ट्र कोकिला सरोजिनी नायडू ने भी राष्ट्र ध्वज की महत्ता का उल्लेख करते हुए संविधान सभा में राष्ट्र ध्वज का प्रस्ताव पेश करते समय 22 जुलाई 1947 को कहा था कि नए भारत के सभी नागरिकों को इस राष्ट्र ध्वज को प्रणाम करना होगा और इसके नीचे कोई छोटा-बड़ा नहीं होगा।

राष्ट्र ध्वज का सफर 7 अगस्त 1906 को आरंभ हुआ था। हरे, पीले और लाल रंग की तीन पट्टियों से बना यह राष्ट्रीय ध्वज कलकत्ता के पारसी बागान में फहराया गया था। उस ध्वज पर ऊपर की हरी पट्टी पर एक ही पंक्ति में सफेद रंग के आठ कमल अंकित थे जबकि बीच वाली पीली पट्टी पर देवनागरी में गहरे नीले रंग से वंदेमातरम लिखा था और नीचे की लाल पट्टी पर बायीं ओर एक सफेद सूर्य और दायीं ओर एक-एक सफेद चन्द्रमा और तारा अंकित थे। भारत का झंडा' नामक यह ध्वज हालांकि भारत के सभी धर्मों, सम्प्रदायों और साम्प्रदायिक सद्भावना को मद्देनजर रखते हुए तैयार किया गया था लेकिन यह ध्वज सर्वमान्य नहीं हो पाया। 1917 में डा. एनी बेसेंट और लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक द्वारा 'होमरूल आन्दोलन' चलाया गया था। उस समय एक नया राष्ट्रीय ध्वज तैयार किया गया, जिसमें लाल और हरे रंग की एक के बाद एक कुल 9 समानान्तर और तिरछी पट्टियां थी। उस ध्वज के बीचों-बीच 7 तारे थे और एक कोने में चांद व तारा अंकित थे जबकि उसके ऊपरी बायें कोने में 'यूनियन जैक' का चित्र (झंडे का चौथाई भाग) बनाया गया था। झंडे में यूनियन जैक के इस चित्र को सम्मिलित किए जाने के कारण ही यह अधिकांश लोगों द्वारा नापसंद कर दिया गया क्योंकि इस चित्र को राष्ट्रीय ध्वज में स्थान देने का अर्थ यही माना गया कि भारतीय समाज की ब्रिटिश सम्प्रभुत्ता के प्रति स्वीकृति है। तब एक ऐसे ध्वज की आवश्यकता महसूस की गई, जो प्रत्येक धर्म, सम्प्रदाय और विचारधाराओं के लोगों का प्रतिनिधित्व करने के साथ देशवासियों के लिए जीवन-मरण का प्रतीक भी बन सके।

1921 में विजयवाड़ा में कांग्रेस के अधिवेशन में आंध्र प्रदेश के पिंगली वैंकैया नामक क्रांतिकारी युवक ने महात्मा गांधी को एक ऐसा ध्वज भेंट किया, जिसमें लाल व हरे रंग की केवल दो पट्टियां थी लेकिन पंजाब के एक बुजुर्ग नेता रायजादा पंडित हंसराज ने गांधी जी को सुझाव दिया कि इस ध्वज में चरखे को भी अंकित किया जाए और तब गांधी जी ने यह सुझाव स्वीकारते हुए हिन्दुओं के लिए केसरिया रंग, मुस्लिमों के लिए हरा रंग तथा अन्य सम्प्रदायों के लिए ध्वज में सफेद रंग को भी शामिल किया। 31 दिसम्बर 1929 को रावी नदी के तट पर इसी तिरंगे को फहराते हुए पूर्ण स्वतंत्रता की मांग की गई थी। हालांकि बहुत से लोगों को राष्ट्रीय ध्वज को जातियों व धर्म-सम्प्रदाय से जोड़ना उचित नहीं लगा, अतः 1931 में राष्ट्रीय ध्वज के स्वरूप के निर्धारण के लिए कराची कांग्रेस ने 7 व्यक्तियों की एक समिति बनाई और समिति ने एक ही रंग (केसरिया) के ध्वज में नीचे बायीं ओर लाल रंग के चरखे का चिन्ह अंकित करने का सुझाव दिया, जिसे अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने अस्वीकार कर दिया। तत्पश्चात पं. जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं की एक बैठक हुई और उस बैठक में तिरंगे ध्वज को ही बीच की सफेद पट्टी में चरखे सहित मान्यता प्रदान की गई और उस निर्णय को सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया गया लेकिन इसमें सबसे अहम बात यह रही कि तीनों पट्टियों के रंगों को धर्म-सम्प्रदायों से न जोड़कर उनके गुणों के आधार पर ही स्वीकार किया गया। इस ध्वज का आकार लम्बाई और चौड़ाई में 3:2 रखा गया।

1924 में आजादी के लिए संघर्षरत श्यामलाल गुप्त 'पार्षद' ने झंडा गीत 'विजयी विश्व तिरंगा प्यारा, झंडा ऊंचा रहे हमारा'' की रचना की और महात्मा गांधी ने उस गीत के दूसरे और तीसरे भाग को हटाकर उसे ज्यों का त्यों स्वीकार कर लिया। वह गीत पहली बार कानपुर में 1925 में कांग्रेस सम्मेलन में सामूहिक रूप से गाया गया। बाद में नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने भी इसे एक लाख लोगों के साथ गाया और देखते ही देखते यह गीत क्रांतिकारियों का सबसे लोकप्रिय गीत बन गया। चाहे कांग्रेस का कोई सम्मेलन हो, कोई प्रभात फेरी हो अथवा क्रांतिकारियों का कोई आन्दोलन, ऐसे हर अवसर पर यही झंडा गीत बड़े ही जोशीले अंदाज में गाया जाने लगा। स्वतंत्रता प्राप्ति के चंद दिनों पहले जब भारत के सम्मान और स्वाभिमान के प्रतीक स्वरूप स्वतंत्र भारत के लिए राष्ट्रीय ध्वज की चर्चा चली तो 1931 में सर्वसम्मति से स्वीकार किए गए ध्वज को ही पुनः राष्ट्र ध्वज के रूप में स्वीकार किया गया लेकिन 22 जुलाई 1947 को संविधान सभा की एक बैठक में पं. नेहरू ने चरखे के स्थान पर इसमें देश की प्रगति, राष्ट्र के कानून और धर्म के पहिये के प्रतीक 24 तीलियों वाले अशोक चक्र को रखने का सुझाव दिया। संविधान सभा के सभी सदस्य इस सुझाव से सहमत हो गए और उसी दिन से राष्ट्रीय ध्वज को नए रूप में स्वीकार लिया गया। इस प्रकार हमारे राष्ट्रीय ध्वज को वर्तमान स्वरूप तक पहुंचने के लिए करीब 41 वर्षों का बहुत लंबा सफर तय करना पड़ा।

मंथन

क्यों फट जाते हैं बादल?

बाल मुकुन्द ओझा
मोबाइल : 9414441218

मानसून अपने साथ जहां खुशियों की सौगात लेकर आते है वहीं मानसून के खतरे भी कम नहीं है जिससे हर साल सैंकड़ों लोग अकाल काल कलवित हो जाते है। अतिवृष्टि, बाढ़, आकाशीय बिजली और बादल फटने की घटना आम बात हो गई है। मॉनसून आने के साथ ही आए दिन बादल फटने और बिजली गिरने से लोगों की मौत की खबरें सामने आ रही हैं। बारिश के मौसम में अक्सर आसमानी बिजली गिरने के मामले सामने आते हैं। बादलों की तेज गड़गड़ाहट की आवाज सुनकर हर कोई डर जाता है। कभी-कभी यह बहुत खतरनाक हो जाती है और जमीन पर गिरने पर जानलेवा हो जाती है। यह जहां पर गिरती है, वहा तबाही मचा देती है। बारिश के दौरान अक्सर बादलों के बीच गड़गड़ाहट के साथ बिजली चमकती है। इसके गिरने से कभी इंसान घायल हो जाता है, तो कभी इसकी चपेट में आने से मौत हो जाती है। देशभर में मौसम के करवट बदलने के बीच पहाड़ी राज्यों में बादल फटने और फ्लैश फ्लड की घटनाएं देखने को मिली है। बादल फटना एक ऐसी आपदा है जिसमें कुछ ही मिनटों में सब कुछ तबाह हो जाता है। बादल फटने की घटनाएं हिमालय रेंज में लगातार बढ़ रही हैं। यह जून और जुलाई के महीनों में होती है जब दक्षिण-पश्चिमी मानसूनी हवाएँ अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से चलती हैं और मैदानी इलाकों को पार करते हुए भारत के उत्तरी पहाड़ी इलाकों की ओर बढ़ती हैं। भारतीय मौसम विभाग के वैज्ञानिकों के मुताबिक बादल फटने की ज्यादातर घटनाएं 1 हजार से 2500 मीटर की ऊंचाई वाले क्षेत्रों में दर्ज की गई हैं। इनमें उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और जम्मू कश्मीर सबसे ज्यादा संवेदनशील क्षेत्र है। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में भीषण वर्षा और बादल फटने से भारी तबाही हुई है, जिसमें 12 लोगों की मौत हो गई और 12 लापता हैं। जम्मू कश्मीर में इस महीने अब तक कम से कम 15 बार बादल फटने की घटनाएं हुई हैं। विज्ञान की भाषा में, बादल फटना एक अत्यंत तीव्र वर्षा को संदर्भित करता है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, जब किसी क्षेत्र में प्रति घंटे 100 मिलीमीटर या उससे अधिक वर्षा होती है, तो उसे बादल फटना माना जाता है। यह अक्सर एक छोटे से भौगोलिक क्षेत्र में सीमित समय के लिए होता है। बादल फटने की घटना मुख्य तौर पर कपासी वर्षा बादल के कारण होती है। हवा जब गर्म होती है, तो वह ऊपर की ओर उठती है और अपने साथ नमी भी ले जाती है। ऊपर पहुंचने पर यह ठंडी हो जाती है, जिससे नमी पानी की बूंदों में बदल जाती है। इन बूंदों के मिश्रण से वातावरण में कपासी वर्षा बादल बनते हैं, जो कि एक प्रकार का बड़ा और वर्टिकल बादल होता है। इसमें पानी की मात्रा बहुत अधिक होती है। बादल का निचला हिस्सा, जब गुरुत्वाकर्षण की वजह से पानी का भार सह पाता है, तो एक ही जगह पर अधिक पानी बरसता है, जो कि बारिश की बड़ी बूंदे होती हैं। इससे कम समय में बहुत अधिक बारिश हो जाती है, जिसे बादल फटना कहा जाता है।

इस आलेख में हम बिजली गिरने और बादल फटने की जानकारी आम पाठकों तक पहुँचाना चाहते है। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक बारिश के साथ तेज चमकती रोशनी और उसके बाद कड़कड़ाती आवाज सुनाई देती है। आसमान में चमकी यह बिजली तेजी से पृथ्वी पर गिर कर इंसानों की मौत का कारण भी बनती है। आकाशीय बिजली एक शक्तिशाली करंट है। इसके गिरने के समय लोगों को खुद को बचाने का क्षण भर का समय भी नहीं मिल पाता । मौसम विभाग के अनुसार, बिजली का गिरना या आघात एक बड़ा विद्युतीय प्रवाह है जो तूफान के दौरान हवा की गति के बढ़ने और कम होने के कारण उत्पन्न होता है। इस दौरान, पृथ्वी की बाहरी परत पर सकारात्मक चार्ज होता है क्योंकि विपरीत चार्ज आकर्षित करता है, आंधी के बादलों में मौजूद नकारात्मक चार्ज पृथ्वी की बाहरी परत पर मौजूद सकारात्मक चार्ज से जुड़ना चाहता है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार दुनिया में हर साल बिजली गिरने की करीब 2 लाख 40 हज़ार घटनाएं दर्ज होती हैं। इन घटनाओं में कितनी जानें जाती हैं, इसे लेकर कई तरह के अध्ययन अलग आंकड़े बताते हैं। एक स्टडी की मानें तो दुनिया में 6 हज़ार लोग हर साल बिजली गिरने से मारे जाते हैं। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो की मानें तो सिर्फ भारत में हर साल 2500 लोग बिजली गिरने से मारे जाते हैं। एक गैर सरकारी अध्ययन के मुताबिक देश में हर साल 2,500 लोग इन घटनाओं के कारण मौत के शिकार हो जाते हैं।

नजरिया

ब्लड रिलेशन में शादी : क्या कहता है विज्ञान?

प्रो. (डॉ.) मनमोहन प्रकाश

भारत के विभिन्न राज्यों में विवाह को लेकर समाज में लंबे समय से अनेक धारणाएँ प्रचलित हैं। कहीं रक्त संबंधियों के मध्य विवाह को परंपरा का हिस्सा माना जाता है, तो कहीं इसे उचित नहीं माना जाता है। वहीं प्रेम विवाह इन विषयों पर सोचने का अवसर ही नहीं देता है।आधुनिक आनुवंशिकी इस विषय को सामाजिक या धार्मिक नहीं, बल्कि वैज्ञानिक दृष्टि से देखती है, और बचने की सलाह देती है। भारतीय संस्कृति भी समान गौत्र में शादी को ठीक नहीं मानती। विज्ञान के अनुसार, जब निकट रक्त संबंधी-जैसे प्रथम चचेरे, ममेरे या फुफेरे भाई-बहन,विवाह करते हैं, तो उनमें कुछ समान जीन होने की संभावना अधिक रहती है। यदि दोनों में किसी दुर्लभ आनुवंशिक रोग से संबंधित दोषपूर्ण अप्रभावी जीन मौजूद हो, तो उनके बच्चों में उस रोग के प्रकट होने का जोखिम सामान्य जनसंख्या की तुलना में बढ़ जाता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन और अन्य आनुवंशिकी विशेषज्ञों के अनुसार, सामान्य जनसंख्या में किसी बच्चे में गंभीर जन्मजात विकार या आनुवंशिक रोग का जोखिम लगभग 2-3 प्रतिशत होता है, जबकि प्रथम चचेरे भाई-बहनों के विवाह में यह बढ़कर लगभग 4-6 प्रतिशत तक हो सकता है,अर्थात जोखिम बढ़ता अवश्य है, लेकिन यह धारणा गलत है कि ऐसे सभी विवाहों से अस्वस्थ संतान ही जन्म लेती है। यद्यपि ऐसे विवाहों में थैलेसीमिया, सिस्टिक फाइब्रोसिस, स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी तथा कुछ दुर्लभ चयापचय और तंत्रिका संबंधी आनुवंशिक रोगों की संभावना अपेक्षाकृत अधिक हो सकती है। यदि किसी समुदाय या परिवार में लगातार कई पीढ़ियों तक निकट संबंधियों में विवाह होते रहें, तो समान दोषपूर्ण जीनों के संचय के कारण यह जोखिम और बढ़ सकता है। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान का जोर किसी परंपरा का विरोध करने पर नहीं, बल्कि वैज्ञानिक जागरूकता पर है। विशेषज्ञ विवाह-पूर्व आनुवंशिक परामर्श , पारिवारिक स्वास्थ्य इतिहास का मूल्यांकन, आवश्यक होने पर गर्भावस्था के दौरान आनुवंशिक जांच की सलाह देते हैं। विशेष रूप से जिन परिवारों में पहले से कोई आनुवंशिक रोग मौजूद हो, उनके लिए यह और भी महत्वपूर्ण है।

विवाह सामाजिक और व्यक्तिगत निर्णय है, किंतु स्वस्थ भविष्य के लिए वैज्ञानिक जानकारी भी उतनी ही आवश्यक है। इसलिए इस विषय पर भ्रांतियों या भय के बजाय प्रमाण-आधारित जागरूकता और समय पर चिकित्सकीय परामर्श को प्राथमिकता देना ही समाज और आने वाली पीढ़ियों के हित में होगा। मेरे अनुसार इस विषय पर मध्यप्रदेश सरकार द्वारा यूसीसी में किये गये प्रावधान स्वस्थ भावी पीढ़ी की दृष्टि से उचित है एवं सम्मान देने योग्य है।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अन्नदान सेवा :

बेंगलूरु के मेरा कान्हा चैरिटेबल ट्रस्ट के सदस्यों ने मंगलवार को कोरमंगला चौथे ब्लॉक में सैंकड़ों जरूरतमंद लोगों को भोजन कराया। ज्ञातव्य है कि ट्रस्ट गत 38 दिनों से रोजाना अन्नदान कर रहा है। ट्रस्ट के सीए ज्ञान अग्रवाल, अविनाश अग्रवाल एवं आनंद मित्तल ने इस सेवा कार्य में सहयोग किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सेवा कार्य

तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर के सदस्यों ने मंगलवार को कर्नाटक ब्लाइंड वेलफेयर एसोसिएशन नेहरुनगर आश्रम में रह रहे 35 बच्चों को भोजन कराया व जरूरत के अनुसार आवश्यक सामग्री भेंट की। इस मौके पर अध्यक्ष राजेश देरासरिया व अन्य सदस्यों ने सेवा कार्य में सहयोग किया।

कांठा प्रांतीय अधिवेशन 26 जुलाई को, तैयारियां चरम पर

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कांठा समाज के नवगठित कांठा प्रांत जैन संघ का प्रथम अधिवेशन 26 जुलाई को पैलेस ग्राउंड के गायत्री विहार में आयोजित होगा। संघ के अध्यक्ष श्रीपाल खींवेसरा के अनुसार अधिवेशन मे कांठा समाज के सदस्यों द्वारा सुझाए गए सुझावों से संघ की आगे की कार्यप्रणाली निश्चित होगी। संघ के चेयरमैन शांतिलाल सुराणा ने कहा कि अधिवेशन में बेंगलूरु में निवासित कांठा प्रांत के हर परिवार को आमंत्रित किया गया है। संघ के कार्याध्यक्ष अशोककुमार गुगलिया ने बताया कि अधिवेशन में समाजहित के कार्यों पर चर्चा होगी। संघ के महामंत्री हंसराज मुणोत के अनुसार दो सत्रो में आयोजित इस कार्यक्रम के प्रथम सत्र में समाज के सदस्यों का अधिवेशन तथा दूसरे सत्र में संघ द्वारा मनोनीत महिला एवं युवा विंग की कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण का कार्यक्रम होगा।

महामंत्री सिद्धार्थ बोहरा, अधिवेशन संयोजक उत्तमचंद कोठारी ने बताया कि आयोजन की तैयारियां चरम पर है। महिला शाखा की अध्यक्ष पूजा गुगलिया एवं युवा शाखा के अध्यक्ष मनीष बोहरा ने कार्यक्रमों की जानकारी दी।

ईडी ने 336 करोड़ रुपये के क्रिप्टो धोखाधड़ी मामले में छापेमारी की

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को कहा कि उसने 336 करोड़ रुपये की कथित 'क्रिप्टोकरेंसी ट्रेडिंग' धोखाधड़ी के मामले में धन शोधन का मामला दर्ज किया है और इस सिलसिले में छापेमारी की है। इस कथित धोखाधड़ी में नीदरलैंड के एक नागरिक के साथ ठगी की गई थी। केंद्रीय एजेंसी के बेंगलूरु कार्यालय ने 18 और 19 जुलाई को क्रिप्टो संपत्ति में ओवर-द-काउंटर' (ओटीसी) कारोबार के सिलसिले में छापेमारी की। इन कारोबार में 'मल्टीवरसेक्स', 'कावा', 'बीम', 'ग्रास', 'एसयूआई', 'वाना' और 'एजीएलडी' जैसे डिजिटल टोकन शामिल थे।

पूजा

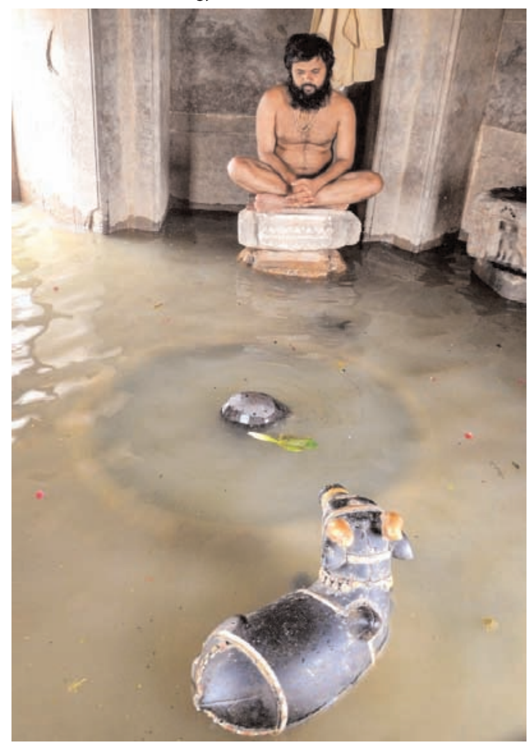

उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित बालाजी घाट पर गंगा नदी का जलस्तर बढ़ने से जलमग्न हुए श्री राघवेश्वर महादेव मंदिर के अंदर बैठे एक पुजारी ।

एसबीआई का अपनी म्यूचुअल फंड इकाई में और हिस्सेदारी कम करने का विचार नहीं : शेट्टी

मुंबई/भाषा। भारतीय स्टेट बैंक के चेयरमैन सी एस शेट्टी ने मंगलवार को कहा कि बैंक संपत्ति प्रबंधन कंपनी एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट में अपनी हिस्सेदारी और कम करने पर विचार नहीं कर रहा है। देश की सबसे बड़ी संपत्ति प्रबंधन कंपनी एसबीआई एमएफ की सूचीबद्धता कार्यक्रम में शेट्टी ने कहा, ''अभी हम और हिस्सेदारी कम करने पर विचार नहीं कर रहे हैं।'' उन्होंने इसके साथ यह भी कहा कि आगे हिस्सेदारी बेचने का फैसला पूंजी बाजार नियामक सेबी के न्यूनतम सार्वजनिक शेयरधारिता नियमों के आधार पर होगा। एसबीआई ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के तहत संपत्ति प्रबंधन कंपनी में अपनी लगभग छह प्रतिशत हिस्सेदारी बेची है। अब उसके पास 55 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी है। इसकी संयुक्त उद्यम भागीदार वैश्विक संपत्ति प्रबंधक अमुंडी ने अपनी लगभग चार प्रतिशत हिस्सेदारी बेची है और अब उसके पास 32.5 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

सफर ही सबसे बड़ा शिक्षक रहा : यामी गौतम

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री यामी गौतम इन दिनों 'आर्टिकल 370' से मिले राष्ट्रीय पुरस्कार को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। अभिनेत्री ने मंगलवार को सोशल मीडिया के जरिए मनोरंजन जगत में बिताए लंबे सफर को सबसे बड़ा शिक्षक बताया। दरअसल, यामी की इस जीत पर निर्देशक राम गोपाल वर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट करते हुए बधाई दी थी, जिस पर यामी ने खुशी जाहिर करते हुए उनका धन्यवाद किया। अभिनेत्री ने अपने सफर को याद करते हुए टेलीविजन की दुनिया को 'सबसे बड़ा टीचर' बताया। अभिनेत्री ने लिखा, बहुत-बहुत धन्यवाद, सर। आपके शब्द मेरे लिए बहुत मायने रखते हैं। यह सफर सच में मेरे लिए सबसे बड़ा शिक्षक रहा है और आपके प्रोत्साहन व सहयोग के लिए मैं दिल से आभारी हूं। आगे भी सीखते, आगे बढ़ते और अपने काम के प्रति

ईमानदार बने रहने की कोशिश जारी रहेगी।

अभिनेत्री यामी गौतम ने टेलीविजन इंडस्ट्री से अपने करियर की शुरुआत कर खुद को हिंदी सिनेमा की सफल अभिनेत्री के रूप में स्थापित किया।बता दें कि 'आर्टिकल 370' 2024 में रिलीज हुई एक राजनीतिक एक्शन-थ्रिलर फिल्म थी। यह फिल्म जम्मू-कश्मीर को संविधान के अनुच्छेद 370 के तहत प्राप्त विशेष दर्जे को निरस्त करने और राज्य से आतंकवाद के खात्मे की ऐतिहासिक और राजनीतिक पृष्ठभूमि पर आधारित है। फिल्म में अभिनेत्री यामी गौतम ने 'जूनी हक्सर' नामक एक खुफिया (इंटेलिजेंस) अधिकारी की भूमिका अदा की थी और प्रियमणि ने पीएमओ सचिव 'राजेश्वरी स्वामीनाथन' की मुख्य भूमिका निभाई थी। इनके अलावा अरुण गोविल (प्रधानमंत्री) और किरण करमाकर (गृह मंत्री) के किरदार में नजर आए थे।

इसका निर्देशन आदित्य सुहास जाम्भले ने किया था। इसकी पटकथा 2016 की कश्मीर अशांति और अनुच्छेद 370 को हटाने के गुप्त मिशन के इर्द-गिर्द घूमती है। सिनेमाघरों में शानदार प्रदर्शन के बाद, यह फिल्म जी5 और नेटफ्लिक्स पर भी उपलब्ध है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बहुत सफल रही थी। फिल्म ने 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में बड़ी सफलता हासिल करते हुए 'सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म' का पुरस्कार जीता और यामी गौतम को 'सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री' का पुरस्कार मिला।

लगातार 10 रातों से अमेरिका का ईरान पर हमला जारी, ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य में टैंकर पर हमले किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/एपी। ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य में मंगलवार सुबह एक टैंकर पर हमला किया, जिसके बाद चालक दल ने जहाज को छोड़ दिया। वहीं, इस अहम जलमार्ग पर नियंत्रण को लेकर जारी संघर्ष के बीच अमेरिका ने ईरान को निशाना बनाते हुए एक और हवाई हमला किया। लगातार 10 रातों से जारी अमेरिका के हवाई हमलों के बावजूद ईरान ने जलडमरूमध्य पर अपनी पकड़ ढीली नहीं की है। शांतिकाल के दौरान वैश्विक स्तर पर कारोबार होने वाले कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा इसी संकरे जलमार्ग से होकर गुजरता था।

अमेरिका और ईरान के बीच फिर से पूर्ण युद्ध का खतरा बढ़ने के बीच ईरान के गृह मंत्री बातचीत के लिए पाकिस्तान पहुंचे। पाकिस्तान इस विवाद में अहम मध्यस्थ माना जाता है। हालांकि, अभी यह साफ नहीं है कि युद्ध खत्म करने के लिए कोई नया समझौता हो सकेगा या नहीं। दोनों देशों के बीच पिछले महीने हुआ अस्थायी समझौता अब टूट चुका है। वहीं, होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही भी लगभग रुक गई है। लड़ाई तेज होने के साथ दोनों पक्षों ने ऐसे नागरिक बुनियादी ढांचे को भी निशाना बनाया है, जिस पर लाखों लोगों का जीवन निर्भर है।

अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने अमेरिकी नागरिकों के लिए जारी एक नई चेतावनी में कहा, ''ईरान और ईरान का समर्थन करने वाले समूह विदेश में अमेरिका के अन्य हितों या दुनिया भर में अमेरिका और अमेरिकियों से जुड़ी जगहों को निशाना बना सकते हैं।'' हाल के हफ्तों में तनाव बढ़ने से तेल की कीमतें बढ़ गई हैं। मंगलवार को बेंचमार्क 'ब्रेंट क्रूड' की कीमत 88 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर रही और अमेरिका में नियमित गैसोलीन की कीमत औसतन चार डॉलर प्रति गैलन तक पहुंच गई, जिससे इस बार के मध्यावधि चुनाव से पहले अमेरिकी उपभोक्ताओं की जेब पर दबाव बढ़ गया है।

इस बीच, अमेरिकी सेना ने जॉर्डन में हुए हमलों में मारे गए दो सैनिकों की पहचान की है। इस हमले एक अन्य व्यक्ति लापता हो गया था। इसके अलावा, सेना ने शनिवार को इराक में एक ईरानी ड्रोन को मार गिराने के बाद उसे नियंत्रित तरीके से नष्ट करने की प्रक्रिया के दौरान एक और सैनिक की मौत की पुष्टि की।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को सोशल मीडिया पर चेतावनी दी, जब भी ईरान किसी अमेरिकी सैनिक की हत्या करेगा, तो उसे इस हत्या की भारी कीमत चुकानी पड़ेगी! ट्रंप की मंगलवार शाम को डोवर वायु सेना अड्डे पर एक समारोह में शामिल होने की योजना थी, जहां कम से कम एक सैनिक का अवशेष पहुंचने वाला था। अमेरिकी सेंट्रल कमान ने मंगलवार को कहा कि उसने ईरान के सैन्य कमान केंद्रों, समुद्री क्षमता, मिसाइल और ड्रोन प्रक्षेपण स्थल और वायु रक्षा प्रणाली'' को निशाना बनाया।

मुंबई में 'हेल्पिंग हैंड्स फाउंडेशन' द्वारा आयोजित एक फंडरेजर कार्यक्रम में शामिल हुई अभिनेत्री सोफी चौधरी।

ट्रिपल जंपर सेल्वा प्रभु कॉमनवेल्थ गेम्स में डेब्यू के लिए तैयार

मुंबई/एजेन्सी

भारतीय ट्रिपल जंपर सेल्वा प्रभु ग्लासगो में होने वाले 2026 कॉमनवेल्थ गेम्स (सीडब्ल्यूजी) में अपना सीनियर डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। वर्ल्ड अंडर-20 सिल्वर मेडलिस्ट और एनसीएए चैंपियन सेल्वा ने पुरुषों के ट्रिपल जंप में भारत के सबसे होनहार खिलाड़ियों में से एक के तौर पर अपनी पहचान बनाई है। 21 वर्षीय खिलाड़ी अपने करियर के सबसे बड़े मंचों में से एक पर भारत का प्रतिनिधित्व करने की तैयारी के लिए तैयार है, जहां राष्ट्रीय जर्सी पहनना सम्मान और जिम्मेदारी, दोनों है। सेल्वा ने कहा, अपने पहले सीनियर मल्टी-स्पोर्ट गेम्स में भारत का प्रतिनिधित्व करना बहुत सम्मान की बात है। मैंने कई वर्षों से ऐसे मंच पर भारतीय जर्सी पहनने का सपना देखा है। मुझे इस मौके पर गर्व है और मेरा लक्ष्य अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना, देश का नाम रोशन करना और दुनिया के बेहतरीन एथलीट्स के खिलाफ मुकाबला करके कीमती अनुभव हासिल करना है। अमेरिका में बेहद प्रतिस्पर्धी एनसीएए सर्किट में पिछले कुछ साल बिताने के बाद, सेल्वा का मानना ङ्कङ्कहै कि इस अनुभव ने बतौर एथलीट उनके विकास में अहम भूमिका निभाई है।

उन्होंने कहा, एनसीएए में मुकाबला करने से मुझे हर पहलू में आगे बढ़ने में मदद मिली है। वहां मुकाबले का स्तर बहुत ऊंचा है, इसलिए यह मुझे तकनीकी, शारीरिक और मानसिक रूप से बेहतर बनने के लिए प्रेरित करता है। बेहतरीन कोच के

साथ ट्रेनिंग करने और हर हफ्ते वर्ल्ड-क्लास एथलीट्स के खिलाफ मुकाबला करने से मेरा आत्मविश्वास बढ़ा है। मैं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए बेहतर ढंग से तैयार हुआ हूं।

ग्लासगो से पहले अपनी तैयारियों के बारे में बात करते हुए सेल्वा कहते हैं कि ट्रेनिंग के दौरान प्रदर्शन में निरंतरता पर सबसे ज्यादा ध्यान दिया गया है। उन्होंने कहा, मेरा मुख्य फोकस अपनी गति, निरंतरता और तकनीक को बेहतर बनाने पर रहा है। ट्रिपल जंप में असल बात यह है कि आप मुकाबले वाले दिन सब कुछ सही ढंग से करें। मैंने और मेरे कोच ने अप्रोच और अलग-अलग चरणों के दौरान लय बनाए रखने पर कड़ी मेहनत की है, साथ ही यह भी सुनिश्चित किया है कि मैं शारीरिक रूप से मजबूत और स्वस्थ रहूं।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पुरुषों के ट्रिपल जंप का स्तर लगातार बढ़ने के साथ, सेल्वा बहुत आगे की सोचने के बजाय अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। उन्होंने कहा, मुकाबला बहुत कड़ा है, जो मुझे और भी ज़्यादा प्रेरित करता है। मेरा लक्ष्य अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना और आत्मविश्वास के साथ मुकाबला करना है। अगर मैं अपने जंप सही तरीके से कर पाता हूं, तो मुझे पता है कि मैं अच्छा नतीजा ला सकता हूं। अगर मैं अपना सब कुछ झोंककर अपने पर्सनल बेस्ट के आस-पास या उससे बेहतर प्रदर्शन कर पाता हूं, तो मुझे संतुष्टि मिलेगी।

सेल्वा ने कॉमनवेल्थ गेम्स तक के अपने सफर में 'इंस्पायर इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट' (आईआईएस) की भूमिका को भी माना। उन्होंने कहा, आईआईएस मेरे सफर का एक अहम हिस्सा रहा है। उन्होंने ट्रेनिंग, स्पोर्ट्स साइंस, रिकवरी और एथलीट के तौर पर मेरे सर्वांगीण विकास में मेरी मदद की है। मुझ पर उनके भरोसे की वजह से ही मैं हर दिन खुद को बेहतर बनाने पर ध्यान दे पाया हूं। मैं उनके सहयोग के लिए आभारी हूं और उम्मीद करता हूं कि भारत के लिए शानदार प्रदर्शन करके उस भरोसे पर खरा उतरूंगा।

भारत के एथलेटिक्स दल के कॉमनवेल्थ गेम्स की तैयारियों के बीच, सेल्वा की नजर अपने वर्षों के निरंतर प्रदर्शन को सीनियर मल्टी-स्पोर्ट गेम्स में पदार्पण के दौरान शानदार प्रदर्शन में बदलने पर होगी।

टोटल शतरंज विश्व चैंपियनशिप का पायलट संस्करण बुडापेस्ट में होगा

नई दिल्ली/भाषा। शतरंज की सर्वोच्च संस्था फिडे से मान्यता प्राप्त टोटल शतरंज विश्व चैंपियनशिप टूर का आधिकारिक पायलट संस्करण 10 से 21 नवंबर तक हंगरी के बुडापेस्ट में आयोजित किया जाएगा। यहां प्रतियोगिता शतरंज के तीनों प्रारूप क्लासिकल, रैपिड और ब्लिट्ज में आयोजित की जाएगी। इन तीनों प्रारूप में सबसे अधिक अंक हासिल करने वाला खिलाड़ी चैंपियन बनेगा।

बुडापेस्ट में होने वाली प्रतियोगिता चैंपियनशिप के प्रारूप के लिए पायलट प्रोजेक्ट के रूप में काम करेगी, जिसे 2027 में विश्व स्तर पर लागू किया जाना है। फिडे ने यह भी घोषणा की है कि टोटल शतरंज विश्व चैंपियनशिप टूर विश्व चैंपियनशिप के लिए चैलेंजर का निर्धारण करने वाले कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाइंग प्रक्रिया का हिस्सा होगा। कैंडिडेट्स टूर्नामेंट क्लासिकल प्रारूप में खेला जाता है। टोटल शतरंज विश्व चैंपियनशिप टूर में शीर्ष पर रहने वाले दो खिलाड़ी कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करेंगे।

'मुन्ना भाई एमबीबीएस' और 'गंगाजल' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्में देने के बाद बॉलीवुड से दूर हुई ग्रेसी सिंह

नई दिल्ली/एजेन्सी

ग्रेसी सिंह का नाम उन अभिनेत्रियों में शामिल है, जिन्होंने बेहद कम समय में अपनी सादगी, सहज अभिनय और दमदार किरदारों के दम पर दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई। साल 2001 में रिलीज हुई फिल्म 'लगान' ने उन्हें रातोंरात स्टार बना दिया। इस फिल्म में आमिर खान के साथ उनकी जोड़ी को खूब पसंद किया गया और उनकी मासूम अदाकारी ने हर किसी का दिल जीत लिया। हालांकि, शानदार शुरुआत और कई सफल फिल्मों के बावजूद ग्रेसी सिंह धीरे-धीरे बॉलीवुड से दूर होती चली गईं। ग्रेसी सिंह ने अपने करियर की शुरुआत एक डांसर के रूप में की थी। वह 'द प्लैनेट्स' डांस ग्रुप के साथ कई स्टेज शो और टूर का हिस्सा रहीं। इसके बाद उन्होंने 1997 में टीवी सीरियल 'अमानत' से अभिनय की दुनिया में कदम रखा। छोटे पर्दे पर पहचान बनाने के बाद उन्हें आशुतोष गोवारिकर की फिल्म 'लगान: वन्स अपॉन ए टाइम इन इंडिया' में काम करने का मौका मिला। आमिर खान द्वारा निर्मित इस फिल्म में ग्रेसी ने गौरी का किरदार निभाया, जिसे दर्शकों और समीक्षकों ने खूब सराहा। 'लगान' न केवल बॉक्स

ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई, बल्कि इसे ऑस्कर के बेस्ट फॉरेन लैंग्वेज फिल्म कैटेगरी में भी नामांकन मिला। यह सम्मान पाने वाली 'मदर इंडिया' और 'सलाम बॉम्बे' के बाद तीसरी भारतीय फिल्म बनी। इस सफलता के बाद ग्रेसी सिंह बॉलीवुड की चर्चित अभिनेत्रियों में शामिल हो गईं।

इसके बाद उन्होंने 'मुन्ना भाई एमबीबीएस', 'गंगाजल' और 'अरमान' जैसी फिल्मों में काम किया। 'मुन्ना भाई एमबीबीएस' और 'गंगाजल' को बड़ी सफलता मिली, लेकिन 'अरमान' बॉक्स ऑफिस पर उम्मीदों पर खरी नहीं उतर सकी। इसके बाद उनकी कई फिल्में, जैसे 'चंचल', 'देशद्रोही' और 'देख भाई देख', लगातार फ्लॉप होती रहीं। इन असफलताओं का असर उनके करियर पर साफ दिखाई दिया और उन्हें बॉलीवुड में पहले जैसी पहचान नहीं मिल सकी।

हिंदी फिल्मों में सफलता कम होने के बाद ग्रेसी सिंह ने तमिल, तेलुगु, मलयालम, गुजराती, पंजाबी और बंगाली फिल्मों में भी काम किया। हालांकि, वहां भी उन्हें अपेक्षित सफलता नहीं मिली। आखिरकार उन्होंने फिल्मों से दूरी बना ली। ग्रेसी ने कई इंटरव्यू में कहा है कि अभिनय उनके जीवन का अंतिम लक्ष्य कभी नहीं था और न ही उन्हें सुपरस्टार बनने की कोई विशेष इच्छा थी।

साल 2015 में उन्होंने टीवी शो 'संतोषी मां' से छोटे पर्दे पर वापसी की। इस धारावाहिक में देवी संतोषी मां के रूप में उनके अभिनय को दर्शकों ने काफी पसंद किया और नई पीढ़ी के बीच भी उन्हें पहचान मिली।

समय के साथ ग्रेसी सिंह आध्यात्मिक संस्था ब्रह्माकुमारीज से गहराई से जुड़ गईं। वह अक्सर आध्यात्मिक जीवन, आत्मसंतोष और प्रसिद्धि से परे सच्ची खुशी की बात करती हैं। ग्रेसी सिंह अभी भी अविवाहित हैं और फिल्मों की चकाचौंध से दूर एक शांत, संतुलित और आध्यात्मिक जीवन जी रही हैं। उनकी कहानी इस बात का उदाहरण है कि सफलता केवल शोहरत में नहीं, बल्कि अपने मन की शांति और संतुष्टि में भी छिपी होती है।

एक तय रूटीन कलाकारों के लिए जरूरी : महिमा मकवाना

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री महिमा मकवाना ने अपने करियर में कई तरह के किरदार निभाए हैं और अब वह अपनी आने वाली वेब सीरीज 'मुसाफिर कैफे' को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच, उन्होंने आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में कहा कि अभिनय की दुनिया जितनी ग्लैमरस दिखाई देती है, उतनी ही चुनौतीपूर्ण भी होती है। उन्होंने कहा कि इस इंडस्ट्री में काम के घंटे तय नहीं होते और कई बार कलाकारों को लगातार व्यस्त रहना पड़ता है। ऐसे में मानसिक रूप से खुद को मजबूत बनाए रखने के लिए एक रूटीन होना बेहद जरूरी है। आईएएनएस से खास बातचीत में महिमा ने कहा, मुझे लगता है कि एक खास तरह का रूटीन हमेशा जरूरी होता है, ताकि हमारा मानसिक स्वास्थ्य भी सही रहे. अभिनय ऐसा पेशा है, जिसमें कलाकार को हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करनी पड़ती है। इसमें आपको हर समय शांत मानसिकता में रहना पड़ता है, इसलिए किसी भी तरह की एक तय व्यवस्था बहुत जरूरी है और अब इसे लेकर जागरूकता भी बढ़ रही है।

महिमा ने कहा, ''मनोरंजन जगत में सबसे बड़ी मुश्किल यह है कि यहां काम के दिन और छुट्टियों

का कोई निश्चित नियम नहीं होता। इस क्षेत्र में कलाकारों को कई बार लंबे समय तक काम करना पड़ता है और शूटिंग शेड्यूल लगातार बदलते रहते हैं। ऐसे में अपने निजी जीवन और काम के बीच संतुलन बनाना एक बड़ी चुनौती होती है, जिससे काम भी प्रभावित न हो और आपकी मानसिक सेहत भी ठीक रहे।'

' काम के घंटों और इंडस्ट्री में बदलाव को लेकर महिमा ने कहा, ''अब इस विषय पर पहले से ज्यादा बातचीत हो रही है। हर कलाकार की स्थिति अलग होती है। यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप अपने करियर में कहां हैं। आप अपनी बात किस तरह रख सकते हैं और फिल्म निर्माताओं के साथ किस तरह तालमेल बना सकते हैं। हर किसी के लिए स्थिति अलग होती है।''

उन्होंने कहा, ''किसी भी फैसले में सिर्फ अपनी सुविधा को नहीं देखना चाहिए, बल्कि पूरी टीम के नजरिए को भी समझना जरूरी है। किसी फिल्म या शो में कई लोगों की मेहनत और पैसा जुड़ा होता है, इसलिए ऐसा रास्ता निकालना चाहिए जो सभी के लिए सही हो।'' वर्क फ्रंट की बात करें तो महिमा मकवाना जल्द ही 'मुसाफिर कैफे' में नजर आएंगी। इस प्रोजेक्ट में उनके साथ अभिनेता विक्रांत मैसी और वेदिका पिंटो भी मुख्य भूमिका में हैं। यह वेब सीरीज 24 जुलाई को रिलीज होने वाली है।

विश्वसनीयता की विरासत, सेवा का संकल्प

'दक्षिण भारत राष्ट्रमत' के स्थापना दिवस के अवसर पर, हम उन सभी बधाई संदेशों और शुभकामनाओं के लिए आभार व्यक्त करते हैं, जो हमें प्राप्त हुए हैं। दो दशक से अधिक समय से बेंगलूरु में और डेढ़ दशक से चेन्नई में, हम निरंतर हिंदी माध्यम से दक्षिण भारत के पाठकों तक समाचार और विचार पहुंचा रहे हैं। यह मात्र एक अखबार नहीं, बल्कि विश्वसनीयता का प्रतीक और समाज को जोड़ने वाला सेतु है। हमें गर्व है कि इस यात्रा में कभी विश्वसनीयता से समझौता नहीं किया। हर खबर, हर विश्लेषण और हर रिपोर्ट के पीछे हमारा एकमात्र उद्देश्य रहा है- पाठकों को सच्चाई से रूबरू कराना और उन्हें सूचित, जागरूक तथा एक-दूसरे से जुड़ा हुआ महसूस कराना।

भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं होती है। वह लोगों को जोड़ना भी सिखाती है। जब कोई भाषा हृदय से बोली जाती है तो वह क्षेत्रवाद, भाषावाद समेत कई दीवारों से ऊपर उठ जाती है। दक्षिण भारत में हिंदी के मार्ग में चुनौतियां कम नहीं रही हैं। इनके कारण कई लोग हिंदी को अपनाने में संकोच महसूस करते हैं। फिर भी, हमने इसे अपनी तपस्या माना। हम बिना किसी शोर के, बिना किसी समझौते के लगातार सेवा कर रहे हैं, क्योंकि हमें विश्वास है कि भाषा कोई प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि एक-दूसरे को निकट लाने का नाम है।

भारत की सभी भाषाएं फूलों की तरह हैं- प्रत्येक का अपना रंग, सुगंध और सुंदरता है। हिंदी उन सबको एक सूत्र में पिरोने वाला धागा है। जब ये फूल एक माला में गूंथे जाते हैं तो अनुपम सुंदरता उभरती है। 'दक्षिण भारत राष्ट्रमत' भी ठीक यही कार्य कर रहा है- व्यक्ति को समाज से, समाज को राष्ट्र से और राष्ट्र को विश्व से जोड़ रहा है। हम सांस्कृतिक पुल का निर्माण कर रहे हैं, जहां उत्तर-दक्षिण, पूर्व-पश्चिम की कोई दूरी नहीं रह जाती है। इस स्थापना दिवस पर फिर से संकल्प लेते हैं कि आने वाले वर्षों में भी हम इसी तरह निष्पक्षता, साहस और सकारात्मकता के साथ पाठकों की सेवा करते रहेंगे। आपका स्नेह, समर्थन और सुझाव ही हमारी सबसे बड़ी पूंजी हैं। आइए, हम सब मिलकर सुंदर, सफल, सशक्त, समृद्ध और एकजुट भारत का निर्माण करें।

'दक्षिण भारत राष्ट्रमत' परिवार

आज आंसू है, पर संवेदनाएं खोती जा रही है : पं. ज्ञानबोधि

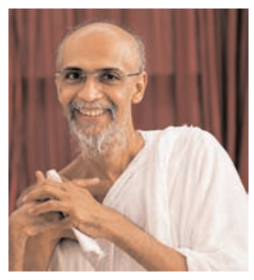

चेन्नई/ दक्षिण भारत राष्ट्रमत यहां वेपेरी संभवनाथ जिनालय उपाश्रय में विराजित आचार्यश्री कुलबोधिसूरिश्वरजी महाराज के शिष्यरत्न पंन्यास प्रवर ज्ञानबोधि विजयजी ने मंगलवार प्रातः आयोजित धर्मसभा में भावपूर्ण एवं प्रेरणादायी प्रवचन देते हुए कहा कि आज मनुष्य की आंखों से संवेदना के आंसू धीरे-धीरे समाप्त होते जा रहे हैं। अनंत जन्मों में मनुष्य इतना रो चुका है कि उन आंसुओं से समुद्र भी छोटा पड़ जाए, किंतु वे आंसू केवल वेदना के थे, इसलिए उनका कोई वास्तविक मूल्य नहीं था।

पंन्यास प्रवर ने अत्यंत मार्मिक शैली में कहा कि बेटियां आंसुओं का निवारण हैं, जबकि पत्नी कई बार आंसुओं का कारण बन जाती है। बेटियों के महत्व को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि यदि कौरवों के यहां बेटियां होतीं, तो शायद महाभारत जैसा विनाशकारी युद्ध नहीं होता। उन्होंने आंसुओं के तीन प्रकार बताते हुए कहा कि वेदना के आंसू, संवेदना के आंसू और अनुमोदना के आंसू, ये तीनों मनुष्य के भावलोक को दर्शाते हैं। शरीर की पीड़ा, बीमारी, व्यापार में हानि अथवा प्रियजन के वियोग से निकलने वाले आंसू वेदना के आंसू हैं। ऐसे आंसू प्रायः स्वार्थ और मोह से जुड़े होते हैं तथा कर्मबंध का कारण बनते हैं। उन्होंने कहा कि कई बार धर्माराधना करते समय आने वाले आंसू भी वेदना के ही होते हैं। पंन्यास प्रवर ने कहा कि आज मनुष्य के पास वेदना तो है, लेकिन संवेदना समाप्त होती जा रही है। किसी दूसरे के दुःख को देखकर आंखें नम होना अथवा किसी के आंसू पोंछना ही वास्तविक संवेदना है। यदि जीवन में संवेदना नहीं रही, तो मनुष्य जीवन का महत्व ही क्या रह जाता है। पंन्यासजी ने प्रेरणा देते हुए कहा कि अनुमोदना के भावों में अपार शक्ति होती है। अच्छे सुकृत्यों की सदैव अनुमोदना करनी चाहिए तथा अनुमोदना के आंसुओं को जीवित रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि मन में वेदना, वचन में संवेदना और तन में अनुमोदना का भाव जागृत हो जाए, तो मनुष्य का जीवन वास्तव में सफल बन सकता है।

कपिल मुनि का जन्म दिवस तप त्याग से मनाया

चेन्नई। यहां नॉर्थ टाउन स्थित एएमकेएम जैन स्थानक में विराजित श्री कपिल मुनि जी म.सा. का जन्म दिवस एसएस जैन संघ नॉर्थ टाऊन के तत्वावधान में जप तप की साधना व 2-2 सामायिक करके मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ तीर्थंकर भगवान की स्तुति लोगस्स जाप से हुआ। इस मौके पर कपिल मुनि जी म.सा. ने अपने उदबोधन में कहा कि जीवन में लंबाई का महत्व नहीं होता बल्कि गहराई का महत्व होता है। प्रश्न यह नहीं कि हमने कितने वर्ष जीए प्रश्न यह है कि हमने इन वर्षों में आत्मा के लिए कितना जिया? संसार के लिए तो सभी जीते हैं, क्या कभी आत्मा के लिए भी जिए? मनुष्य जन्म अत्यन्त दुर्लभ है। जन्म लेना बड़ी बात नहीं है जन्म को सफल बनाना बड़ी बात है। पशु भी जन्म लेते हैं, पक्षी भी जन्म लेते हैं, लेकिन विवेक, धर्म और आत्मकल्याण का अवसर केवल मनुष्य को प्राप्त होता है। आज अनेक श्रद्धालु जन्मदिन के रूप में इस दिन को देख रहे हैं, किन्तु साधु के लिए जन्मदिन उत्सव का नहीं, आत्मनिरीक्षण का विषय है। जीवन का एक वर्ष और कम हो गया।लोग जन्मदिन पर आयु बढ़ने की शुभकामना देते हैं। मैं कहता हूँ-आयु नहीं, आयुष्य की उपयोगिता बढ़नी चाहिए। आज यदि आप वास्तव में मुझे जन्मदिन का उपहार देना चाहते हैं तो आप आज एक संकल्प लें प्रतिदिन कुछ समय धर्माराधना करेंगे, सामायिक करेंगे, स्वाध्याय करेंगे, किसी एक दुर्गुण को छोड़ेंगे और किसी एक सद्गुण को जीवन में उतारेंगे।संघ के पूर्व अध्यक्ष अशोक कोठारी ने मुनि श्री के व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। इस मौके पर आनन्दमल छल्लानी, राजेन्द्र कुमार बोहरा, अशोक छाजेड़, राजकुमार कोठारी, मनीष रांका, शांतिलाल गुगलिया, मदनलाल पोकरना, रमेश खिंवसरा, श्रीपाल रांका, राजेश पीपाड़ा नीलमचंद बाफना आदि श्रद्धालुगण उपस्थित थे। आतिथ्य सत्कार का लाभ नॉर्थ टाउन संघ ने लिया प्रभावना के लाभार्थी बनने का सौभाग्य रमेश कुमार देवांश खिंवसरा परिवार ने प्राप्त किया। कार्यक्रम का संचालन अशोक कोठारी ने किया।

अग्रसेन कालेज में वित्तीय साक्षरता-पहल एवं जीवन कौशल पर संगोष्ठी

चेन्नई। यहां माधावरम् के जयगोविंद हरीगोपाल अग्रवाल अग्रसेन कालेज ने एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का सफल आयोजन किया। जिसका विषय था 'वित्तीय साक्षरता-पहल एवं जीवन कौशल'। कालेज के सहेली आडिटोरियम में मुख्यअतिथि एवं वक्ता एफआईसीसीआई के वित्तीय साक्षरता प्रकोष्ठ की प्रमुख कमला रामाकृष्णन ने कहा कि यह कार्यक्रम विद्यार्थियों को व्यक्तिगत एवं व्यावसायिक सफलता के लिए आवश्यक ज्ञान तथा जीवन कौशल से सशक्त बनाएगा। श्रीकृष्ण कैपिटल म्यूचुयल फंड डिस्ट्रीब्यूटस के सत्यनारायण यनमंत्रम ने कहा की आज के युवा को अपनी आय को मैनेज करना सीखना होगा। एक सजग छात्र ही जीवन को सफल बना सकता है। जीवन में पैसे के लिए गलत तरीके नहीं अपनाना चाहिए। उन्होंने वित्तीय योजना, बजट निर्माण, आपातकालीन निधि, बैकिंग सेवाएँ, निवेश के तरीके, म्यूचुअल फंड, बीमा, जोखिम वित्त प्रबंधन, संपत्ति निर्माण आदि विषयों पर छात्रों को बृहद जानकारी दी। प्राचार्य डॉ वी गोपी ने सभा का स्वागत किया और उप प्राचार्य डॉ उमा महेशवरी ने अतिथियों का सम्मान किया। संयोजिका डॉ एम डी शशिकला और डॉ धनलक्ष्मी ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत किया। सचिव हरीश कुमार सांघी, अध्यक्ष आदित्य अग्रवाल, कोषाध्यक्ष बाल गोविंद गुप्ता ने संगोष्ठी की सफलता की शुभकामनाएं दी।

अभिनंदन

यहां शक्ति पब्लिक स्कूल, तिरुत्तनी परिवार द्वारा विद्यालय के अध्यक्ष एवं समाजसेवी डॉ. अशोक कुमारजी मुंधड़ा के सम्मान में एक गरिमामय अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। यह समारोह माहेश्वरी सभा, चेन्नई द्वारा डॉ. मुंधड़ा को समाज सेवा, दूरदर्शी नेतृत्व, शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान तथा मानवीय मूल्यों के संवर्धन हेतु प्रदान किए गए प्रतिष्ठित महेश गौरव सम्मान के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता एवं आर्किटेक्ट प्रसाद यादव, सुधीर तथा वरिष्ठ समाजसेवी श्रीमोहन दमानी ने डॉ. अशोक कुमार मुंधड़ा को शॉल ओढ़ाकर, पुष्पगुच्छ एवं सम्मान-चिह्न भेंट कर उनका अभिनंदन किया। समारोह में विद्यालय के विद्यार्थियों ने अपने प्रिय अध्यक्ष डॉ. मुंधड़ा का अत्यंत सुंदर हस्तनिर्मित चित्र भेंट किया।

सच का दीप

शब्दों से सच का दीप जलाया,
जन-जन तक विश्वास पहुँचाया।

हर धड़कन की बनकर आवाज़,
आपने निभाया अपना अंदाज़।

दक्षिण की धरती, राष्ट्र का मान,
इस अखबार से बढ़ा हिंदी का सम्मान।

सत्य, साहस और निष्पक्ष विचार,
यही है आपकी सच्ची पहचान।

कलम बनी जब जन की शक्ति,
हर पंक्ति में दिखी जनभक्ति।

समाज, संस्कृति और संस्कार,
आपने दिए ये सबको उपहार।

स्थापना दिवस का शुभ अवसर,
नया जोश, नई उमंग, नया सफ़र।

बढ़ता रहे आपका गौरव अपार,
जगमग करता रहे हर समाचार।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत रहे यूँ महान,
सत्य का ऊँचा रहे सदैव सम्मान।

हार्दिक शुभकामनाएँ, यही अरदास
अमर रहे आपकी निष्पक्ष आवाज़।

प्रेमलता पंचोली
सेकेंडरी ग्रेड हिंदी टीचर
अग्रवाल विद्यालय एंड जूनियर कॉलेज, चेन्नई

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.